मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 213
मंगलवार, 17 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

5 साल में चाहिए 'मेड इन इंडिया' एयरो इंजन: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 16 फरवरी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जीटीआरई) को विश्व के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक बताते हुए वैज्ञानिकों से दशकों से चल रहे एयरो इंजन विकास कार्य को अगले पांच वर्षों में पूरा करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में तेजी से महारत हासिल करने पर निर्भर करती है। बेंगलुरु स्थित गैस टरबाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान में बोलते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अधीन कार्यरत यह प्रतिष्ठान भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है। उन्होंने इसके वैज्ञानिकों को लगातार सफल परीक्षण करने और देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने का श्रेय दिया।

राजनाथ ने कहा और आगे कहा कि डीआरडीओ का वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिन-प्रतिदिन भारत की रणनीतिक शक्ति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ प्रतिदिन एक के बाद एक सफल परीक्षण करता रहता है। हमें प्रतिदिन डीआरडीओ की उपलब्धियों के बारे में सुनने को मिलता रहता है। एक परीक्षण की चर्चा समाप्त होते ही दूसरी उपलब्धि की खबर आ जाती है। दूसरे शब्दों में, डीआरडीओ आज भारत की रणनीतिक क्षमता का आधार बन गया है।

एयरो इंजन में स्वदेशी क्षमता की आवश्यकता पर जोर देते हुए सिंह ने कहा कि जहां एक इंजन विकसित करने में आमतौर पर 20-25 साल लगते हैं, वहीं भारत को अब पांच साल में वह हासिल करना होगा जिसे अन्य देशों को हासिल करने में दशकों लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक इंजन विकसित करने में 25 साल लगते हैं, तो भारत की वर्तमान स्थिति, हमारी रणनीतिक आवश्यकताओं और हमारी महत्वाकांक्षाओं को देखते हुए, आपको यह मान लेना चाहिए कि आपके 20 साल पहले ही बीत चुके हैं और अब आपके पास केवल 5 साल बचे हैं। यह कोई चौंकाने वाली या आश्चर्य की बात नहीं है; यह एक चुनौती है। हमें इन 5 वर्षों में वह हासिल करना है जो अन्य देश 20 वर्षों में करते हैं। यहीं पर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

बेंगलुरु को नवाचार और कुशल मानव संसाधन का वैश्विक प्रतीक बताते हुए, सिंह ने कहा कि यह शहर और जीटीआरई 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज के समय में, बेंगलुरु न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में नवाचार, प्रौद्योगिकी और कुशल मानव संसाधन का प्रतीक बन गया है। मेरा मानना है कि 2047 तक, विकसित भारत के उस रोडमैप में, जिसके साथ हम आगे बढ़ रहे हैं, बेंगलुरु शहर और जीटीआरई की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है। आप सभी न केवल उस यात्रा में सहयात्री हैं, बल्कि मैं कहूंगा कि सारथी भी हैं।

स्वार्थ नहीं, जुड़ाव ही समाज की पहचान: मोहन भगवत

गोरखपुर, 16 फरवरी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को गोरखपुर दौरे के दौरान एक सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में भाग लिया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया था। संघ सूत्रों के अनुसार, आरएसएस प्रमुख ने बाबा गंभीर नाथ सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव सम्मेलन में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले, उन्होंने दीप प्रज्वलित करके संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इसके बाद, भगवत ने प्रदर्शनी का दौरा किया और संघ के शताब्दी वर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गोरख प्रांत द्वारा संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में आयोजित 'सामाजिक सद्भाव' सम्मेलन को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कई देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है। हमारे देश में मानवीय रिश्ते अपनेपन की भावना पर आधारित होते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत सद्भावना और सामाजिक सद्भाव का वैश्विक केंद्र है। देश की सभ्यतागत विचारधारा लेन-देन वाले रिश्तों के बजाय एकता और आपसी जुड़ाव की भावना में निहित है। भारत की विविधता पर प्रकाश डालते हुए भागवत ने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में अंतर विभाजन पैदा नहीं करते, क्योंकि अंतर्निहित सांस्कृतिक एकता ही हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि हम भारत को अपनी माता मानते हैं। एक ही दिव्य चेतना हम सब में निवास करती है। यही बंधन हमें हमारी भिन्न पहचानों के बावजूद एकजुट रखता है।

उन्होंने आगे कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था ही नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी बनाए रखता है। आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि यह उपलब्धि जश्न मनाने का नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का विषय है। उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए वर्ष में दो से तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकें आयोजित करने का आह्वान किया और समुदायों से जातिगत सरोकारों से परे व्यापक हिंदू समाज के लिए काम करने का आग्रह किया।

तारिक रहमान के शपथ से पहले मुहम्मद यूनुस ने दिया इस्तीफा, बांग्लादेश को जल्द मिलेगा नया प्रधानमंत्री

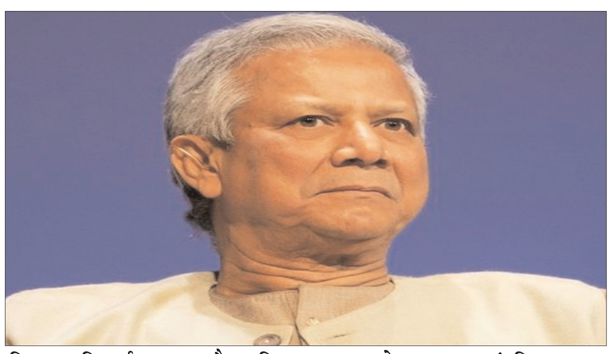

बांग्लादेश, 16 फरवरी। बांग्लादेश में नई निर्वाचित सरकार के सत्ता संभालने से पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख Muhammad Yunus ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह घोषणा राष्ट्र के नाम अपने विदाई संबोधन में की।

13वें संसदीय चुनाव के बाद चुनी गई सरकार को सत्ता सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में यूनुस ने पद छोड़ने का फैसला किया, ताकि नई सरकार औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल सके। माना जा रहा है कि जल्द ही नए प्रधानमंत्री के तौर पर तारिक रहमान शपथ ले सकते हैं।

गौरतलब है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री Sheikh Hasina और उनकी पार्टी Awami League के सत्ता से हटने के बाद देश में राजनीतिक बदलाव आया था। इसके बाद एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया, जिसकी कमान मुख्य सलाहकार के रूप में मुहम्मद यूनुस ने संभाली थी।

अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यूनुस की बांग्लादेश में वापसी हुई थी। उस समय देश में बड़े राजनीतिक और सामाजिक बदलाव देखने को मिले थे।

चलती कार पर गिरा साइन बोर्ड का भारी गंभा, ड्राइवर की मौत

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के अंतू क्षेत्र के बाबूगंज स्थित एक पेट्रोल पंप के पास चलती कार पर एक साइन बोर्ड का भारी खंभा गिरने से कार चला रहे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात पेट्रोल पंप मालिक और कर्मचारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) शैलेन्द्र लाल ने सोमवार को बताया कि रविवार को अंतू थाना क्षेत्र के बाबूगंज स्थित पेट्रोल पंप के बिल्कुल नजदीक पर एक मशीन से साइन बोर्ड का खंभा खड़ा किया जा रहा था तभी अचानक उसका पट्टा टूट गया और वह भारी-भरकम खंभा वहां से गुजर रही एक कार पर गिर गया। इससे कार चला रहा 45 वर्षीय लाल बहादुर यादव स्टीयरिंग और सीट के बीच में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि आस-पास मौजूद लोगों ने दरवाजा तोड़ कर उसे बाहर निकाला और स्थानीय चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कुलदीप सेंगर को राहत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत से संबंधित मामले को मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के पास भेज दिया। यह घटनाक्रम सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में उच्च न्यायालय से उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को क्रम से हटकर सुनवाई देने के अनुरोध के बाद हुआ है, जिन्होंने इस मामले में अपनी दोषसिद्धि और 10 साल की जेल की सजा को चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई 19 फरवरी को होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा के पूर्व नेता सेंगर की याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालय के 19 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उनकी 10 साल की कारावास की सजा को निलंबित करने से इनकार कर दिया गया था। उनकी याचिका खारिज करते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणी की कि यदि पीड़ित परिवार ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील दायर की है, तो उच्च न्यायालय को सेंगर की लंबित याचिका के साथ-साथ उस अपील पर भी विचार करना चाहिए।

मतदाता शुद्धिकरण का महाअभियान : 9.49 लाख नोटिस जारी, काशी में चुनावी पारदर्शिता की बड़ी परीक्षा

◆निरीक्षण पर उतरे मुख्य निर्वाचन अधिकारी, 28 फरवरी तक सुनवाई पूरी करने का लक्ष्य, बीएलओ को बताया लोकतंत्र की असली ताकत

सुरेश गांधी

वाराणसी। लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत और त्रुटिरहित बनाने की दिशा में मतदाता सूची शुद्धिकरण का अभियान काशी में तेज रफ्तार पकड़ चुका है। सोमवार को नवदीप रिणवा ने वाराणसी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम की जमीनी स्थिति का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 389 वाराणसी दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित कम्पोजिट विद्यालय कबीरचौरा स्थित नोटिस सुनवाई केन्द्र का जायजा लिया तथा बाद में गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल में बीएलओ और सुपरवाइजरों से संवाद कर चुनावी प्रक्रिया की मजबूती पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने साफ संदेश दिया कि लोकतंत्र की असली ताकत मतदाताओं की भागीदारी है और प्रशासन का दायित्व है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान अधिकार के प्रयोग में किसी प्रकार की बाधा न आने दी जाए।

जनपद में मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए चल रहे अभियान में बड़ी संख्या में विसंगतियां सामने आई हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 25,80,502 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से 1,62,888 मतदाता नो मैपिंग श्रेणी और 7,84,679 मतदाता लॉजिकल डिस्क्रीपेन्सी श्रेणी में चिन्हित किए गए हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए कुल 9,49,015 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं। अब तक 2,87,102 नोटिस वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 1,99,322 मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है। प्रशासन ने इस पूरी प्रक्रिया को 28 फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं, शिकायत निस्तारण प्रणाली और नागरिकों को दी जा रही सेवाओं की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने वहां मौजूद मतदाताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने तथा अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की गई और निर्वाचन प्रक्रिया में उनके सहयोग की सराहना की गई। इसके साथ ही बूथ और सोसायटी स्तर पर विशेष कैम्प, घर-घर सत्यापन, वीडियो कॉल वेरीफिकेशन तथा डिजिटल आईडी जांच जैसी नई व्यवस्थाओं को भी अभियान में शामिल किया गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदान अधिकार से वंचित न रहे। संवाद कार्यक्रम के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष पुनरीक्षण अभियान की सफलता पूरी तरह बीएलओ की कार्यक्षमता पर निर्भर है। उन्होंने निर्देश दिया कि जहां मतदाताओं की अधिक भीड़ हो, वहां अतिरिक्त कैम्प लगाकर कार्य में तेजी लाई जाए ताकि किसी भी नागरिक को परेशानी न हो। जिला निर्वाचन प्रशासन ने भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है और घर-घर सत्यापन कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है।

सबरीमाला केस : 9 जजों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से करेगी सुनवाई

केरल, 16 फरवरी। केरल के पहाड़ी तीर्थस्थल सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश की वैधता से संबंधित पुनर्विचार याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय की नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ 7 अप्रैल से सुनवाई शुरू करेगी। पीठ ने पक्षों को लिखित दलीलें प्रस्तुत करने के लिए 14 मार्च की समय सीमा निर्धारित की है और सुनवाई 22 अप्रैल तक समाप्त होने की उम्मीद है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने सोमवार को आदेश दिया कि इस मामले को नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए, जिसकी संरचना मुख्य न्यायाधीश द्वारा एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से अधिसूचित की जाएगी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

बंगाल का भविष्य: धर्म की लहर या प्रगति की राह?

-ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की औपचारिक घोषणा भले अभी बाकी हो, पर राजनीतिक रणभेरी बज चुकी है। इस बार संकेत साफ हैं- चुनाव विकास बनाम विकास के दावे पर नहीं, बल्कि पहचान, अस्मिता और धर्म की ध्वजा के इर्द-गिर्द घूम सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य भर में प्रस्तावित हिंदू सम्मेलनों को भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक उत्सव भर नहीं, बल्कि चुनावी अवसर में बदलने की रणनीति पर आगे बढ़ती दिख रही है। दूसरी ओर ममता बनर्जी ने भी यह समझ लिया है कि यदि चुनाव की जमीन धार्मिक विमर्श पर खिसकती है तो उसे खाली नहीं छोड़ा जा सकता। कोलकाता के न्यू टाउन में ह्यदुर्गा आंगन का शिलान्यास और उसे बंगाली अस्मिता से जोड़ने का प्रयास इसी रणनीतिक सजगता का हिस्सा है। बंगाल की राजनीति लंबे समय तक वर्ग-संघर्ष, वाम वैचारिकी

और सामाजिक न्याय के नारों के इर्द-गिर्द घूमती रही। लगभग तीन दशक तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेतृत्व में वाम मोर्चा सत्ता में रहा। उससे पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व था। किंतु 2011 में सत्ता परिवर्तन के साथ एक नई धुरी बनी-तृणमूल बनाम भाजपा। आज स्थिति यह है कि वाम और कांग्रेस हाशिए पर हैं और मुकाबला दो ध्रुवों के बीच सिमट चुका है। यही द्विध्रुवीयता चुनाव को अधिक तीखा और अधिक पहचान-केन्द्रित बना रही है। भाजपा का अभियान चार प्रमुख सूत्रों पर टिका है-बंगाल में हिंदू खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठ, महिलाओं की असुरक्षा और भ्रष्टाचार। सीमावर्ती जिलों का उदाहरण देकर यह संदेश गढ़ा जा रहा है कि जनसांख्यिकीय संतुलन बदल रहा है। अवैध घुसपैठ का प्रश्न नया नहीं है, पर उसे इस समय राजनीतिक ऊर्जा के साथ जोड़ा जा रहा है। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना, शिक्षक भर्ती घोटाले, हिन्दुओं पर बढ़ते अत्याचार एवं घुसपैठ जैसे प्रसंगों को शासन की विफलता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। भाजपा का लक्ष्य स्पष्ट है-70 प्रतिशत हिंदू मतदाताओं में एक साझा असुरक्षा-बोध निर्मित करना, हिन्दुओं को जागृत करना और उसे मतदान व्यवहार में रूपांतरित करना। आज बंगाल में विकास की सबसे बड़ी बाधा घुसपैठियों का बढ़ना है। घुसपैठियों पर विराम लगाना चाहिए न कि इस मुद्दे पर राजनीति हो।

ममता बनर्जी की चुनौती दोहरी है। एक ओर उन्हें यह संदेश देना है कि वे अल्पसंख्यकों की संरक्षक हैं, दूसरी ओर हिंदू मतदाताओं को यह विश्वास भी दिलाना है कि उनकी आस्था और अस्मिता सुरक्षित है। 2021 के चुनाव में जब भाजपा ने जय श्रीराम के नारे को आक्रामक रूप से उछाला, तब ममता ने जय मां दुर्गा और चंडी पाठ के माध्यम से एक सांस्कृतिक प्रत्युत्तर दिया था। इस बार वे दुर्गा आंगन जैसे प्रतीकों के जरिए यह संकेत दे रही हैं कि बंगाली हिंदू पहचान भाजपा की बपौती नहीं है। वे धर्म को राष्ट्रवाद की बजाय क्षेत्रीय अस्मिता के साथ जोड़ती हैं-'बंगाल अपनी संस्कृति से हिंदू है, पर उसकी राजनीति बहुलतावादी है-यह उनका अंतर्निहित संदेश है। इसी बीच मुर्शिदाबाद में पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर द्वारा बाबरी मस्जिद के शिलान्यास की पहल ने नई जटिलता जोड़ दी है। इससे मुस्लिम मतदाताओं के भीतर एक अलग ध्रुवीकरण की संभावना पैदा हुई है। यदि मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता है, तो तृणमूल का गणित प्रभावित हो सकता है। 2021 में उसे लगभग 48 प्रतिशत वोट और 223 सीटें मिली थीं-जिसमें मुस्लिम मतों का एकमुश्त समर्थन निर्णायक था। भाजपा 38 प्रतिशत वोट के साथ 65 सीटें जीतकर मुख्य विपक्ष बनी। ऐसे में यदि मुस्लिम मत 5-10 प्रतिशत भी इधर-उधर खिसकते हैं, तो कई सीटों का परिणाम बदल सकता है और भाजपा पूर्ण बहुमत से सत्ता में आ सकती है।

यहां प्रश्न केवल गणित का नहीं, राजनीति के चरित्र का भी है। क्या बंगाल का चुनाव धार्मिक पहचान के उभार का प्रयोगशाला बनेगा? या यह प्रयोग अंततः विकास, रोजगार और बुनियादी ढांचे के प्रश्नों पर लौटेगा? विडंबना यह है कि जिस बंगाल को कभी देश की आर्थिक राजधानी कहा जाता था-जहां से उद्योग, शिक्षा और सांस्कृतिक नवजागरण की रोशनी फैलती थी, वह आज अधूरे प्रोजेक्ट्स, धीमी औद्योगिक गति और रोजगार के पलायन से जूझ रहा है। कोलकाता की सड़कों पर अधूरी मेट्रो लाइनें और बंद कारखानों की चुप्पी विकास की उस कहानी को बयान करती हैं, जो राजनीतिक नारों के शोर में दब जाती है। 2011 में टाटा के नैनो प्रोजेक्ट का राज्य से बाहर जाना एक प्रतीकात्मक मोड़ था। भूमि अधिग्रहण के प्रश्न पर जनसमर्थन पाने वाली राजनीति ने उद्योग के प्रति संशय का वातावरण भी बनाया। पंद्रह वर्षों बाद भी बंगाल बड़े निवेश की प्रतीक्षा में है। युवा रोजगार के लिए बाहर जा रहे हैं, और कई राज्यों में उन्हें बांग्लादेशी कहकर अपमानित किए जाने की खबरें आती हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, आत्मसम्मान का प्रश्न भी है। किंतु चुनावी विमर्श में यह पीड़ा गौण हो जाती है, और केंद्र में आ जाता है-धर्म, पहचान और भय।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार पर वित्तीय भेदभाव का आरोप लगाती हैं; भाजपा राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का। सी.बी.आई. और ई.डी. की कार्रवाइयों को ममता राजनीतिक प्रतिशोध बताती हैं, जबकि भाजपा उन्हें कानून का पालन। इस टकराव ने प्रशासनिक संवाद को भी राजनीतिक संघर्ष में बदल दिया है। परिणाम यह है कि विकास का एजेंडा आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ जाता है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या धर्म-आधारित ध्रुवीकरण स्थायी राजनीतिक समाधान दे सकता है? इतिहास बताता है कि धार्मिक उभार अल्पकालिक ऊर्जा तो देता है, पर दीर्घकालिक शासन-क्षमता की कसौटी पर उसे विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रश्नों से जूझना ही पड़ता है। यदि चुनाव केवल किसका प्रतिनिधि है तक सीमित रह गया, तो कौन क्या करेगा का प्रश्न अनुत्तरित रह जाएगा।

बंगाल की आत्मा बहुलतावाद में रही है-रामकृष्ण परमहंस से लेकर रवींद्रनाथ तक, यह भूमि विविध आस्थाओं और विचारों का संगम रही है। यहां दुर्गा पूजा और मुहर्रम दोनों सामाजिक उत्सव का रूप लेते रहे हैं। यदि राजनीति इस सामाजिक ताने-बाने को चुनावी अंकगणित में बदल देगी, तो समाज की संवेदनशीलता पर चोट पहुंचेगी। दूसरी ओर, यदि धार्मिक प्रतीकों का उपयोग सांस्कृतिक आत्मगौरव के साथ विकास-प्रतिबद्धता को जोड़ने में किया जाए, तो वह सकारात्मक भी हो सकता है। इस चुनाव में भाजपा की रणनीति हिंदू मतों का अधिकतम ध्रुवीकरण है; ममता की रणनीति हिंदू पहचान को बंगाली अस्मिता के साथ समाहित कर अल्पसंख्यकों के विश्वास को बनाए रखना है। मुस्लिम दलों की सक्रियता तृणमूल के लिए चुनौती है, पर वह भाजपा के लिए अवसर भी है। यह त्रिकोणीय-संभावना चुनाव को जटिल बनाती है। परंतु अंततः लोकतंत्र की परिपक्वता मतदाता तय करता है। यदि बंगाल का मतदाता विकास, रोजगार और सुशासन को प्राथमिकता देता है, तो राजनीतिक दलों को अपना विमर्श बदलना होगा। यदि वह पहचान की राजनीति को स्वीकार करता है, तो वही भविष्य की दिशा बनेगी। प्रश्न केवल यह नहीं कि कौन जीतेगा; प्रश्न यह है कि जीत का एजेंडा क्या होगा?

क्या धर्म के आधार पर लड़ा गया चुनाव सार्थक मूल्य स्थापित कर पाएगा? या यह राज्य को और अधिक वैचारिक खाइयों में धकेल देगा? बंगाल की धरती ने अनेक बार भारत को नई वैचारिक दिशा दी है। आज फिर अवसर है-या तो यह धर्म बनाम धर्म की बहस में उलझे, या धर्म को नैतिकता और विकास की प्रेरणा बनाकर नई राजनीति की राह खोले। चुनाव परिणाम चाहे जो हो, असली कसौटी यही होगी कि क्या बंगाल अपनी आर्थिक ऊर्जा, सांस्कृतिक उदारता और सामाजिक समरसता को पुनः प्राप्त कर पाता है। यदि नहीं, तो धर्म की ध्वजा चाहे जितनी ऊंची फहराई जाए, विकास का शून्य अंततः सबको दिखाई देगा।

मणिशंकर अय्यर के बयानों से अब कांग्रेस में हंगामा

-अजय कुमार

केरल चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। शशि थरूर का मामला अभी सुलझा भी नहीं पाया था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने नया विवाद खड़ा कर दिया। अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बारे में ऐसा बयान दिया कि पूरी पार्टी सकते में आ गई। उन्होंने कहा कि पिनराई विजयन मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस बयान ने पार्टी में हड़कंप मचा दिया। कांग्रेस ने तुरंत सफाई दी कि अय्यर अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। लेकिन मामला यहीं शांत होने वाला नहीं था। अय्यर ने फिर से एक साक्षात्कार में पार्टी के कई बड़े नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा और शशि थरूर तथा जयराम रमेश पर भी तीखे प्रहार किए। अय्यर का कहना था कि केरल में आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीत नहीं पाएगी। कारण बताया कि कांग्रेसी नेता कम्युनिस्टों से जितनी नफरत करते हैं, उससे कहीं ज्यादा आपस में नफरत करते हैं। इन बयानों ने पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।वैसे अय्यर की नाराजगी पुरानी नहीं है। वे लंबे समय से पार्टी नेतृत्व की आलोचना करते आ रहे हैं। लेकिन इस बार उनके शब्दों ने चुनावी माहौल को गरमा दिया। केरल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस को मजबूत विपक्ष के रूप में उभरना था। माकपा सरकार के खिलाफ लामबंदी करनी थी। लेकिन आंतरिक कलह ने सबकी मुश्किलें बढ़ा दीं। अय्यर ने पिनराई विजयन को मुख्यमंत्री बने रहने का भरोसा जताया तो यह पार्टी के लिए अपमानजनक लगा। विजयन लेफ्ट सरकार के चेहरे हैं और कांग्रेस का मुख्य निशाना। ऐसे में किसी पूर्व नेता का यह बयान तोड़फोड़ जैसा ही था। पार्टी ने कहा कि अय्यर का नाम सदस्य सूची से हटा दिया गया है। फिर भी अय्यर चुप नहीं रहे। उन्होंने साक्षात्कार में कहा कि पवन खेड़ा जैसे नेता सिर्फ उच्च नेतृत्व के इशारे पर बोलते हैं। शशि थरूर को महत्वाकांक्षी बताया और जयराम रमेश पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। इन हमलों ने पार्टी के केरल नेतृत्व को असहज कर दिया।

यह पहली बार नहीं है जब मणिशंकर अय्यर ने विवादास्पद बयान दिए हों। 2017 में उन्होंने पाकिस्तान के एक कार्यक्रम में जाकर नेहरू को गंगा-मैया का पुत्र कहा था। उस समय भी पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। फिर 2019 लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीच कहा था। यह बयान सुर्खियों में रहा और पार्टी को शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। अय्यर ने सफाई दी कि उनका इशारा मोदी की सोच पर था, लेकिन नुकसान हो चुका था। केरल में भी वे कई बार लेफ्ट नेताओं की तारीफ कर चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि पिनराई विजयन अच्छा प्रशासक हैं। ऐसे बयान विपक्षी एकता को कमजोर करते हैं। अब फिर से चुनावी साल में यही गलती दोहराई गई। विश्लेषकों का मानना है कि अय्यर की नाराजगी पार्टी के पुराने नेताओं के साथ उपेक्षा से उपजी है। वे खुद कभी केंद्रीय मंत्री रहे, लेकिन अब हाशिए पर हैं। उनकी बात को युवा नेता नजरअंदाज करते हैं। इससे उनकी भड़ास निकल रही है।कांग्रेस के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। केरल में लेफ्ट और भाजपा दोनों मजबूत हैं। 2021 चुनाव में कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार आंतरिक मतभेद साफ दिख रहे हैं। शशि थरूर जैसे नेता अपनी दावेदारी कर रहे हैं। अय्यर ने उनकी आलोचना कर फूट डाली। पार्टी नेतृत्व ने अय्यर से दूरी बनाई, लेकिन उनका प्रभाव अभी भी है। सोशल मीडिया पर उनके बयान वायरल हो रहे हैं। विपक्षी दल इसका फायदा उठा रहे हैं। भाजपा कह रही है कि कांग्रेस कम्युनिस्टों की कठपुतली है। लेफ्ट का तर्क है कि कांग्रेसी आपस में ही लड़ रहे हैं। अय्यर के बयान ने यह धारणा मजबूत कर दी। पार्टी को अब एकजुट होने की जरूरत है। लेकिन पुराने विवाद फिर ताजा हो गए। अय्यर की नाराजगी बढ़ती जा रही है। वे कहते हैं कि कांग्रेस का वर्तमान स्वरूप बदल गया है। पहले सिद्धांतों पर चलती थी, अब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं हावी हैं।

इस पूरे घटनाक्रम से केरल कांग्रेस की रणनीति पर असर पड़ेगा। चुनाव में जीत के लिए एकजुटता जरूरी है। लेकिन नेताओं के आपसी हमले मतदाताओं को निराश कर रहे हैं। अय्यर जैसे वरिष्ठ नेता अगर बाहर से ही आलोचना करेंगे तो संगठन कमजोर होगा। पार्टी को चाहिए कि पुराने विवाद सुलझाए। नए नेताओं को साथ ले। केरल मतदाता समझदार हैं। वे आंतरिक कलह देखकर वोट नहीं देंगे। अय्यर को शांत करने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन उनका पुराना इतिहास देखें तो मुश्किल लगता है। वे अपनी बात पर अड़े रहते हैं। अब देखना यह है कि पार्टी कैसे इस संकट से उबरती है। चुनाव नजदीक हैं और हर बयान गूंज रहा है। कांग्रेस को मजबूत विपक्ष बनना होगा, वरना लेफ्ट फिर सत्ता में लौट आएगा। अय्यर का सिरदर्द अभी बना रहेगा।केरल चुनाव से पहले कांग्रेस को मणिशंकर अय्यर ने परेशान कर दिया। शशि थरूर का मुद्दा सुलझा नहीं कि अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को बने रहने का भरोसा जताया। पार्टी ने कहा, वे अब सदस्य नहीं। फिर साक्षात्कार में अय्यर ने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा, शशि थरूर और जयराम रमेश पर तीखे वार किए। बोले, कांग्रेसी आपस में कम्युनिस्टों से ज्यादा नफरत करते हैं, इसलिए चुनाव हारेंगे। लेकिन अय्यर का इतिहास विवादों से भरा है, खासकर मोदी और भाजपा के खिलाफ।

बहरहाल,अय्यर ने आज भले ही कांग्रेस के खिलाफ हमला बोला हो,लेकिन उनकी असली पहचान मोदी को गाली देने वाली है।अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत हमले किए हैं। 2019 चुनाव से पहले उन्होंने मोदी को नीच कहा। सफाई दी कि नीच सोच की बात की, लेकिन बवाल मच गया। पार्टी ने निलंबन दिया। 2017 में पाकिस्तान जाकर नेहरू पर टिप्पणी की, जिसे भाजपा ने भुनाया। अय्यर ने भाजपा को सांप्रदायिक बताया। कहा, वे हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। राम मंदिर पर बोले, भाजपा का ढोंग है। 2024 चुनाव में भी मोदी की आलोचना की, किसान आंदोलन पर समर्थन दिया। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस का असली चेहरा कहा। केरल में लेफ्ट की तारीफ कर भाजपा को निशाना बनाया। अय्यर का मानना है कि भाजपा लोकतंत्र को कुचल रही,ये बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते हैं। केरल में भाजपा मजबूत हो रही, आंतरिक कलह से फायदा। अय्यर की नाराजगी पुरानी है। पार्टी को एकजुट होना चाहिए। वरना चुनावी हार निश्चित। अय्यर मोदी-भाजपा विरोध में आग उगलते रहेंगे, लेकिन पार्टी का सिरदर्द बढ़ेगा।

झूठ की फैक्ट्री पर कब चलेगा कानून का बुलडोजर?

-सुरेश गांधी

देश की न्याय व्यवस्था, पुलिस तंत्र और मीडिया की विश्वसनीयता आज कठघरे में खड़ी दिखाई देती है। झूठे मुकदमे, पक्षपातपूर्ण जांच, प्रभावशाली पैरवी और भ्रामक खबरों का गठजोड़ निर्दोष नागरिकों के जीवन को बर्बाद कर रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि व्यवस्था की गलतियों की कीमत आखिर आम जनता ही क्यों चुकाए? यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई और संस्थागत जवाबदेही तय नहीं हुई, तो लोकतंत्र केवल कागजी आदर्श बनकर रह जाएगा। अब समय आ गया है कि सत्ता, कानून और संस्थाएं आत्ममंथन करें, क्योंकि न्याय की नींव हिलेगी तो व्यवस्था पर भरोसा भी ढह जाएगा। मतलब साफ है फर्जी मुकदमे, न्यायिक चूक और भ्रामक खबरों पर सख्त दंड की मांग अब दबी जुबान से ही सही उठने लगी है. न्याय, पुलिस और मीडिया की जवाबदेही पर देश में बहस तेज हो चली है. अब हर सख्श चाहता है झूठ के गठजोड़ पर कब गिरेगी सत्ता की गाज? क्योंकि जवाबदेही से ही बचेगा लोकतंत्र का अस्तित्व

देश में न्याय व्यवस्था, पुलिस तंत्र और मीडिया की भूमिका को लेकर समय-समय पर गहरी बहस होती रही है। आम नागरिकों के बीच यह भावना तेजी से उभर रही है कि यदि झूठे मुकदमों, भ्रामक खबरों और न्यायिक त्रुटियों पर सख्त जवाबदेही तय हो जाए, तो शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी और न्यायपूर्ण बन सकती है। यही कारण है कि सामाजिक और वैचारिक विमर्श में आदर्श शासन के प्रतीक ह्यरामराज्यह्न की अवधारणा फिर चर्चा के केंद्र में आ रही है। भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में आदर्श शासन की परिकल्पना का उल्लेख प्राचीन ग्रंथ रामायण में मिलता है, जहां भगवान श्रीराम के शासन को न्याय, समानता और जनकल्याण का प्रतीक बताया गया है। आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी इस अवधारणा को सुशासन और जवाबदेही के आदर्श के रूप में देखा जाता है।

भारत की न्यायिक प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी न्यायिक व्यवस्थाओं में से एक मानी जाती है, लेकिन लंबित मामलों का बोझ इसकी सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। विभिन्न न्यायिक रिपोर्टों के अनुसार देश की अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं। इससे न्याय प्रक्रिया लंबी हो जाती है और कई बार पीड़ितों को वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि न्याय में देरी अक्सर न्याय से वंचित होने के बराबर होती है। यदि किसी निर्दोष व्यक्ति पर झूठा मुकदमा दर्ज हो जाए और वह वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाता रहे, तो इसका प्रभाव उसके सामाजिक सम्मान, आर्थिक स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा पड़ता है। झूठे मामलों को लेकर कई बार अदालतों ने भी चिंता जताई है। न्यायपालिका ने यह स्पष्ट किया है कि कानून का दुरुपयोग रोकना उतना ही आवश्यक है जितना अपराध पर नियंत्रण करना।

कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस तंत्र पर होती है। पुलिस अपराध नियंत्रण और जांच की प्रमुख संस्था है, लेकिन कई बार जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। मानवाधिकार संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि गलत धाराओं में मुकदमा दर्ज होने या जांच में लापरवाही से निर्दोष लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराध नियंत्रण के लिए कई बार त्वरित कार्रवाई करनी पड़ती है, जिससे त्रुटियां संभव हो जाती हैं। इसके बावजूद पुलिस सुधार की मांग लंबे समय से उठती रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर पुलिस सुधार से जुड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इनमें स्वतंत्र जांच प्रणाली, पुलिस प्रशासन में पारदर्शिता और राजनीतिक हस्तक्षेप कम करने जैसे सुझाव शामिल रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जांच प्रक्रिया वैज्ञानिक और पारदर्शी होगी तो झूठे मुकदमों की संख्या स्वतः कम हो सकती है।

न्यायिक व्यवस्था में वकीलों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वकील अपने मुवक्किल का पक्ष अदालत में मजबूती से रखते हैं, लेकिन कई बार आरोप लगता है कि तकनीकी खामियों का लाभ उठाकर अपराधियों को बचाने की कोशिश होती है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि वकालत का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है, न कि केवल मुकदमा जीतना। इस क्षेत्र में नैतिक मानकों को मजबूत करने और पेशेवर आचार संहिता का सख्ती से पालन आवश्यक माना जाता है। बार काउंसिल और न्यायिक संस्थाएं समय-समय पर वकीलों के आचार व्यवहार को लेकर दिशा-निर्देश जारी करती रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वकालत पेशे में पारदर्शिता और नैतिकता मजबूत होगी तो न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ माना जाता है। सूचना क्रांति और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के बाद खबरों की गति तेज हुई है, लेकिन इसके साथ फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। मीडिया विशेषज्ञों का कहना है कि बिना पुष्टि के प्रसारित खबरें कई बार व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती हैं और समाज में भ्रम फैलाती हैं। डिजिटल युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खबरों की तेजी से फैलने वाली प्रवृत्ति ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। प्रेस काउंसिल और अन्य नियामक संस्थाओं ने मीडिया नैतिकता को लेकर कई दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके बावजूद विशेषज्ञ मानते हैं कि तथ्य जांच (फैक्ट-चेकिंग), संपादकीय जवाबदेही और पत्रकारिता प्रशिक्षण को मजबूत करना जरूरी है।

समाज में जवाबदेही की मांग इसलिए बढ़ रही है क्योंकि न्याय और प्रशासनिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की नींव होता है। जब किसी निर्दोष व्यक्ति को गलत मुकदमे में फंसाया जाता है या गलत खबर के कारण उसकी प्रतिष्ठा प्रभावित होती है, तो यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रहती बल्कि सामाजिक असंतोष का कारण बनती है। सामाजिक संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जवाबदेही तय होने से संस्थाओं की विश्वसनीयता मजबूत होगी। यदि पुलिस, न्यायपालिका और मीडिया में गलतियों पर सख्त कार्रवाई हो, तो यह व्यवस्था सुधार की दिशा में बड़ा कदम हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल दंडात्मक व्यवस्था से सुधार संभव नहीं है। इसके लिए संरचनात्मक सुधार भी जरूरी हैं। न्यायालयों में डिजिटल तकनीक और ई-कोर्ट व्यवस्था, पुलिस जांच में फोरेंसिक और वैज्ञानिक तकनीक का उपयोग, मीडिया में तथ्य जांच और संपादकीय पारदर्शिता, कानूनी शिक्षा और जनजागरूकता अभियान. इन उपायों से व्यवस्था अधिक मजबूत और पारदर्शी बन सकती है। रामराज्य को भारतीय परंपरा में न्याय, समानता और जनकल्याण का प्रतीक माना गया है। आधुनिक लोकतंत्र का उद्देश्य भी यही है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू हो और हर नागरिक को न्याय मिले। समाजशास्त्रियों का मानना है कि रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि सुशासन, नैतिक प्रशासन और सामाजिक न्याय की व्यवस्था है। यदि संस्थाएं पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांतों पर कार्य करें, तो यह आदर्श शासन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। मेरा मानना है कि देश में न्याय व्यवस्था, पुलिस प्रशासन और मीडिया की जवाबदेही को लेकर चल रही बहस यह दशार्ती है कि समाज पारदर्शी और निष्पक्ष व्यवस्था चाहता है। झूठे मुकदमों, अन्यायपूर्ण फैसलों और भ्रामक खबरों पर सख्त कार्रवाई की मांग इसी जनभावना का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि जवाबदेही, नैतिक सुधार, तकनीकी आधुनिकीकरण और जनभागीदारी मिलकर ही मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था का निर्माण कर सकते हैं। यदि संस्थाएं निष्पक्षता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दें, तो वह दिन दूर नहीं जब आदर्श शासन व्यवस्था की कल्पना वास्तविकता के करीब दिखाई देगी।

सख्त दंड व्यवस्था ही क्या आदर्श रामराज्य की राह?

दुसरा बड़ा सवाल है झूठे मुकदमों और फर्जी खबरों का खेल कब होगा बंद? जबकि जवाबदेही तय होते ही बदलेगी व्यवस्था की तस्वीर. पुलिस, न्यायपालिका और मीडिया पर उठे तीखे सवाल, निर्दोषों की पीड़ा से गरमाया जनमत, सख्त दंड की बढ़ती मांग. तीसरा बड़ा सवाल है फर्जी केस, झूठी पैरवी और भ्रामक पत्रकारिता पर कब गिरेगी कार्रवाई की गाज? व्यवस्था सुधार की उठी निर्णायक मांग. न्याय व्यवस्था में जवाबदेही तय करने को लेकर देशभर में बहस तेज, गलत फैसलों से प्रभावित लोगों की आवाज हो रही बुलंद. चौथा बड़ा सवाल नाइंसाफी की दीवार कब तोड़ेगा कानून का बुलडोजर? झूठे केस और फेक खबरों पर सख्त सजा की उठी मांग. निदोर्षों को न्याय दिलाने और संस्थाओं की विश्वसनीयता बचाने पर मचा राष्ट्रीय विमर्श, जवाबदेही तय करने पर जोर. फर्जी मुकदमों और गलत रिपोर्टिंग से प्रभावित परिवारों की पीड़ा बनी राष्ट्रीय चर्चा का विषय, पारदर्शी सिस्टम की मांग तेज. जवाबदेही ही न्याय की असली कसौटी, फर्जी मुकदमे और भ्रामक खबरों पर सख्ती की जरूरत पर गहराता विमर्श. झूठ के कारोबारियों पर कब टूटेगा कानून का शिकंजा? न्याय व्यवस्था में सर्जिकल जवाबदेही की मांग. गलत मुकदमे, पक्षपातपूर्ण पैरवी और फेक न्यूज से उपजे संकट पर देश में उबाल, सख्त दंड कानून की उठी मांग न्याय की चौखट पर जवाबदेही का सवाल : सख्त दंड व्यवस्था ही क्या आदर्श ह्यरामराज्यह्न की राह? झूठे मुकदमों, भ्रामक खबरों और न्यायिक त्रुटियों पर बढ़ती बहस, व्यवस्था सुधार को लेकर समाज में उठ रही नई मांग. आम नागरिकों के बीच यह भावना लगातार मजबूत हो रही है कि जब तक झूठे मुकदमों, पक्षपातपूर्ण पैरवी, गलत न्यायिक फैसलों और भ्रामक खबरों पर कठोर जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक आदर्श शासन व्यवस्था की कल्पना अधूरी रहेगी। यही कारण है कि आज के सामाजिक और वैचारिक विमर्श में रामराज्य की अवधारणा को फिर से चर्चा के केंद्र में देखा जा रहा है।

जवाबदेही की मांग क्यों बढ़ रही है?

सामाजिक विशेषज्ञों का मानना है कि लोकतंत्र में संस्थाओं की विश्वसनीयता तभी मजबूत होती है जब जवाबदेही स्पष्ट हो। जब किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे आरोप में सजा मिलती है या गलत खबर से किसी की प्रतिष्ठा प्रभावित होती है, तो इसका प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहता बल्कि समाज में असंतोष और अविश्वास भी पैदा करता ळें इसी कारण नागरिक समाज और कई कानूनी संगठनों ने पुलिस, न्यायपालिका और मीडिया के लिए सख्त आचार संहिता और दंडात्मक प्रावधानों की मांग उठाई है। उनका मानना है कि जवाबदेही तय होने से संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी।

क्या केवल दंड से आएगा सुधार?

विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि केवल दंडात्मक व्यवस्था से सुधार संभव नहीं है। न्यायिक और प्रशासनिक सुधार के लिए तकनीकी आधुनिकीकरण, पारदर्शी प्रक्रिया, नैतिक प्रशिक्षण और जनजागरूकता भी जरूरी है। ई-कोर्ट प्रणाली, डिजिटल रिकॉर्ड, पुलिस जांच में वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग और मीडिया में फैक्ट चेकिंग जैसे कदम सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

रामराज्य की अवधारणा और आधुनिक लोकतंत्र

भारतीय सांस्कृतिक दृष्टिकोण में रामराज्य को आदर्श शासन का प्रतीक माना गया है, जहां न्याय और नैतिकता सर्वोच्च थी। आधुनिक लोकतंत्र में भी यही लक्ष्य है कि हर नागरिक को समान अधिकार मिले और कानून सभी पर समान रूप से लागू हो। समाजशास्त्रियों का कहना है कि रामराज्य का वास्तविक अर्थ केवल धार्मिक अवधारणा नहीं बल्कि सुशासन, पारदर्शिता और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। यदि प्रशासनिक और न्यायिक संस्थाएं निष्पक्ष और जवाबदेह बनती हैं, तो यह आदर्श व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। देश में न्याय, प्रशासन और मीडिया की विश्वसनीयता को लेकर चल रही बहस यह दशार्ती है कि समाज एक पारदर्शी और जवाबदेह व्यवस्था चाहता है। झूठे मुकदमों, अन्यायपूर्ण फैसलों और भ्रामक खबरों पर कठोर कार्रवाई की मांग इसी भावना का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि दंडात्मक प्रावधानों के साथ नैतिक सुधार, तकनीकी आधुनिकीकरण और जनभागीदारी से ही एक मजबूत और न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित हो सकती है। यदि संस्थाएं पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दें, तो वह दिन दूर नहीं जब आदर्श शासन व्यवस्था की कल्पना वास्तविकता के करीब दिखाई देगी।

जीवन का सार है राम की मयार्दा और कृष्ण का माधुर्य

भगवान कृष्ण की बहुपत्नीत्व लीला और श्रीराम के एक पत्नीत्व व्रत, दोनों को यदि इतिहास या सामाजिक आचरण की कसौटी पर नहीं, बल्कि दार्शनिक-आध्यात्मिक संकेत के रूप में समझा जाए, तब उनके बीच का गहरा भेद और सामंजस्य दोनों स्पष्ट होते हैं। वैष्णव परंपरा में श्रीकृष्ण को पूर्ण लीला पुरुषोत्तम तथा श्रीराम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। रामावतार में भगवान स्वयं को आदर्श मनुष्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं, ताकि सामान्य गृहस्थ भी उनके जीवन से आचरण के नियम सीख सके,इसी कारण उनके व्यवहार में एक-पत्नीत्व, राजधर्म, पुत्रधर्म, पितृभक्ति आदि का कठोर पालन दिखाई देता है। कृष्णावतार में वही परमात्मा बंधन-मुक्त, सहज, रसपूर्ण चित्त की चरम लीला के रूप में प्रकट होते हैं। यहाँ भगवत लीला का लक्ष्य केवल अनंत प्रेम की पराकाष्ठा का रहस्य खोलना है। यहां ईश्वर का एक रूप मयार्दा को आदर्श बनाता है, दूसरा माधुर्य को, दार्शनिक दृष्टि से दोनों मिलकर धर्म और प्रेम की संपूर्णता रचते हैं। पुराणों में द्वारका वासी कृष्ण की प्रमुख रानी के रूप में रुक्मिणी का वर्णन है। वे विदर्भराज भीष्मक की पुत्री और कृष्ण की ह्यधर्मपत्नीह्न हैं। रुक्मिणी और अन्य रानियाँ गृहस्थ-धर्म, सामाजिक जिम्मेदारियों और लोक-व्यवहार की पूर्णता का द्योतक हैं। द्वारका का राजतंत्र, परिवार, कुल-मयार्दा, सब इन्हीं के माध्यम से व्यवस्थित होता है। अनेक रानियाँ यहाँ काम-विकास नहीं, बल्कि यह संकेत हैं कि परमात्मा असंख्य जीवात्माओं का आश्रय है। प्रत्येक जीव अपने-अपने रूप में उनसे ह्यसंबंधह्न स्थापित करता है, कोई रानी की तरह, कोई मित्र की तरह, कोई शिष्य की तरह। इस अर्थ में कृष्ण का बहुपत्नीत्व लौकिक पुरुष की वृत्ति नहीं, बल्कि अनंत जीवों के साथ उनके अनंत संबंधों का प्रतीक है। राधा का नाम प्रमुख रूप से भागवत आदि में प्रत्यक्ष न सही, पर बाद की वैष्णव परंपराओं, विशेषकर गौड़ीय, निम्बार्क, राधावल्लभ आदि में मिलता है। उन्हें कृष्ण के प्रति समर्पित प्रेम की सर्वोच्च मूर्ति माना गया है। अनेक परंपराओं में राधा और कृष्ण का संबंध दो प्रकार से समझाया गया है, स्वकीय (पति-पत्नी जैसा) और परकीय (सामाजिक बंधनों से परे, केवल भावनात्मक प्रेम-आधारित संबंध) गौड़ीय वैष्णव परंपरा परकीय-भाव को सबसे ऊँचा मानती है, जहाँ सामाजिक विधानों से ऊपर केवल प्रेम और समर्पण रह जाता है। गोपिकाएँ गृहस्थ होते हुए भी जब कृष्ण के लिए सब कुछ त्यागकर भागती हैं, तो यह लौकिक व्यभिचार नहीं, बल्कि यह शिक्षा है कि परमात्मा के लिए, जब प्रश्न परम प्रेम का हो, तब संसार के सारे आग्रह गौण हो जाते हैं। इसीलिए भक्ति-दर्शन में पत्नी रुक्मिणी से अधिक प्रेमिका राधा और गोपियों का प्रेम महत्वपूर्ण माना गया। क्योंकि वह नियमों से नहीं, शुद्ध उच्छ्वास से उपजा हुआ आध्यात्मिक प्रेम है। दार्शनिक दृष्टि से रुक्मिणी-कृष्ण और राधा-कृष्ण दो अलग संबंध नहीं, बल्कि उसी एक सत्य के दो आयाम हैं। रुक्मिणी-कृष्ण का संबंध धर्मसम्मत गृहस्थ-संबंध का आदर्श है। यह लोकशिक्षा के लिए आवश्यक है, ताकि मनुष्य समझे कि विवाह एक जिम्मेदारी, संरक्षण और करुणा का बंधन है। राधा-कृष्ण का संबंध परम प्रेम का रूपक है। जहाँ आत्मा और परमात्मा के बीच कोई दूरी, कोई औपचारिकता शेष नहीं रहती। वैष्णव आचार्यों ने राधा को स्वयं श्रीकृष्ण की शक्ति, उनके प्रेम-स्वरूप का ही व्यक्त रूप बताया है, अर्थात प्रेमी और प्रेयसी दो अलग स्वरूप नहीं, मूलतः एक ही प्रेम सत्ता हैं। इसलिए कहा जाता है कि कृष्ण पत्नी के रूप में रुक्मिणी से जुड़े हैं, पर प्रेम के शिखर पर राधा से । धर्म को रुक्मिणी सुदृढ़ करती हैं, जबकि भक्ति और रस को राधा परम रूप देती हैं। शास्त्रों में रामचंद्र को एक पत्नीव्रता का आदर्श बताया गया, उन्होंने आजीवन भगवती सीता के अतिरिक्त किसी स्त्री से विवाह या दैहिक संबंध नहीं रखा। यह व्रत केवल व्यक्तिगत नैतिकता नहीं, बल्कि उस काल के लिए एक शक्तिशाली सामाजिक संदेश था, जहाँ अनेक पत्नी रखना राजाओं और उच्च वर्ग के लिए सामान्य माना जाता था। राम का आचरण गृहस्थ-धर्म और नारी-सम्मान का आदर्श स्थापित करता है। रामायण को कई वैष्णव लेखक शरणागति-वेदा कहते हैं। जहाँ मुख्य शिक्षा है कि पहले मनुष्य को उत्तम मनुष्य बनना चाहिए ।जो राम मयार्दा सीख लेता है, वही आगे कृष्ण की भावुक लीला को समझने का अधिकारी होता है।

अर्थात राम-चरित धर्म का व्याकरण है, तो कृष्ण-चरित प्रेम की काव्यात्मकता है ।व्याकरण के बिना कविता भी समझ में नहीं आती, इसी तरह राम की मयार्दा के साथ ही कृष्ण की लीला का मर्म भी यथार्थ स्वरूप में समझा जा सकता है। **(विवेक रंजन श्रीवास्तव -विभूति फीचर्स)**

यदुवंशी समाज की एकजुटता से मृतक ग्रामप्रधान परिवार को न्याय, 50 लाख मुआवजा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुलुंड वेस्ट जान्सन एंड जानसन कंपनी के समीप निर्माणाधीन मेट्रो प्रकल्प में स्लेब का टुकड़ा गिरने से हुई दुर्घटना में जौनपुर जिले के भरथानी गांव के ग्रामप्रधान रामधनी यादव की दर्दनाक मौत हो गई। घटना में पूर्व प्रधान महेंद्र यादव और रिक्शा चालक राजकुमार यादव गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है।

जैसे ही यह घटना यदुवंशी समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष शशीकांत बलीराम यादव को पता चली, वे तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और मृतक के परिवार से मिलकर उन्हें न्याय दिलाने की कोशिश में जुट गए। शव को राजावाड़ी हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन मुआवजा न मिलने के कारण परिवार ने डेथबॉडी लेने से इंकार कर दिया।

15 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे, यदुवंशी समाज के लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए इकट्ठा हुए। भारी संख्या में जुटे समाजसेवियों ने पुलिस उपायुक्त, सांसद, विधायक और नगरसेवकों के माध्यम से एमएमआरडीए और निर्माण कॉन्ट्रैक्टर पर दबाव डाला।

इस दबाव के परिणामस्वरूप मृतक के परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की सहमति मिली।

इस सामाजिक और न्यायिक प्रयास में यदुवंशी समाज सेवा संस्था के अध्यक्ष शशीकांत यादव, दीनानाथ यादव, जमसिंह यादव, रविन्द्रनाथ यादव, रामेश्वर यादव, रमायन यादव, कमलेश यादव, जीवन लाल यादव, लालबहादुर यादव, विरेंद्र यादव, अनिल यादव, हरेन्द्र यादव, कपिल यादव, प्रमोद यादव, रामअशीष यादव, अर्जुन यादव, सुशील यादव, वरिष्ठ समाजसेवी आर.डी. यादव, सांसद मनोज कोटक, वरिष्ठ समाजसेवी आर.एन. यादव, श्रीमती संगीता वझे, प्रकाश यादव, जितेन्द्र यादव, सुनिल यादव, कीर्ति यादव, सुभाष यादव, नगरसेवक कमलेश यादव, राम यादव, और विश्व यादव संघ के अध्यक्ष मोतीलाल यादव, सुरेश यादव, गुलाब यादव, ईश्वर देव यादव, रणविजय यादव सहित अन्य लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह घटना और समाज की एकजुटता यह दर्शाती है कि सामूहिक प्रयास और सक्रिय नागरिक भागीदारी से न्याय और राहत सुनिश्चित की जा सकती है।

हर हर महादेव के नारों से गूंजा भायंदर का काशी विश्वनाथ मंदिर

भायंदर (उत्तरशक्ति)। विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर की प्रेरणा से प्रख्यात समाजसेवी तथा राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी द्वारा भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क में अपने माता-पिता की स्मृति में बनाए गए दिव्य और भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर में आज सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। दिनभर भजन का सिलसिला जारी रहा। सुबह 4:30 बजे लल्लन तिवारी ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कांति तिवारी के साथ भगवान शंकर की विधिवत पूजा अर्चना कर रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी लालजी तिवारी, मंदिर के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पांडे, समाजसेवी बीआर मिश्रा, समाजसेवी अभयराज चौबे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। भगवान शंकर के जयकारों के बीच देर शाम तक शिव भक्तों की भीड़ जमी रही।

मीरा भायंदर शहर के अंतर्गत काशीमीरा वार्ड 14 में स्वच्छता अभियान जारी है

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। आज काशीमीरा स्थित नगरसेविका श्रीमती ज्योत्सना हसनाले ताई, एवं नगरसेविका श्रीमती यशोदा अनिल ताटे तथा परिसर के सभी निवासियों एवं सभी नगर निगम कर्मचारियों के साथ मनाली परिसर की साफ सफाई की गई। साफ सफाई पर जोर देते हुए नगरसेविकावो ने कहा कि, मेरा परिसर साफ सफाई स्वच्छ एवं सुंदर रहेगा तभी मेरा सहर भी स्वच्छ और सुंदर होगा, इसी तरह के हमारे वार्ड में आगे भी स्वच्छता अभियान जारी रहेगा।

भिवंडी की 96 वर्षीय हिराबाई सोनावणे का दुखद निधन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के समतानगर, पडघा परिसर में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृतियों को संजोकर रखने वाली और उस घटना की एकमात्र साक्षी रहीं हिराबाई दुंदांजी सोनावणे (उम्र 96 वर्ष) का शनिवार को निधन हो गया। उनके निधन से समतानगर सहित पूरे परिसर में शोक की लहर फैल गई है। हिराबाई सोनावणे के निधन पर सामाजिक, राजनीतिक तथा आंबेडकरी आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उनके साथ पडघा परिसर ने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की ऐतिहासिक यात्रा से जुड़ी यादों का एक महत्वपूर्ण साक्षी खो दिया है। उनके निधन पर स्थानीय निवासी मिलिंद जाधव ने भावुक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हिराबाई सोनावणे की स्मृतियां इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत बनी रहेंगी।

घाटकोपर में अवैध रिक्शा चालकों की भरमार, नागरिकों की दिक्कतें बढ़ी

मुंबई। कोरोना के काल के बाद से जहां एक तरफ मुंबई उपनगर के अनेक इलाकों में शेयर रिक्शा स्टैंड बड़े पैमाने पर बढ़ गए वहीं दूसरी तरफ शेयर रिक्शा चालकों की आड़ में अवैध रिक्शा चालकों की भी भरमार हो गई है। जिसका तरोताजा उदाहरण घाटकोपर स्टेशन पूर्व तथा पश्चिम में देखने को मिल रहा है। बता दें कि लोगों को सहूलियत के नाम पर खुलेआम लूट मची हुई है। उनके संरक्षण के लिए अलग-अलग पार्टियों ने रिक्शा यूनियन बना कर इन रिक्शा चालकों को संरक्षण दे रखा है। बता दें कि घाटकोपर स्टेशन के बगल दर्जन भर से ज्यादा ऑटो स्टैंड बनाये गए हैं। जहां पर सैकड़ों की तादाद में रिक्शा खड़े रहते है, जिससे सड़क पर जाम लग जाता है। बताया जाता है कि इनमें से आधे से ज्यादा रिक्शा बिना परमिट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जो कि आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस के जानकारी में है। घाटकोपर स्टेशन पश्चिम में ट्रैफिक जाम की समस्या बद से बदतर हो चुकी है. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि सड़क के दोनों किनारे जहां अवैध पार्किंग की भरमार है तो सुबह-शाम ऑटो चालकों द्वारा मनमानी तरीके से सड़कों के बीच ऑटो खड़ा करना, गलत दिशा में दौड़ाना बड़ी समस्या बनकर उभरी है। जबकि घाटकोपर स्टेशन के बाहर मेट्रो, रेलवे और बस से यात्रा करने वालों की भीड़ लगी रहती है इसके अलावा यहां बड़े शैक्षणिक संस्थान होने की वजह से सुबह शाम छात्रों महिलाओं को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस की माने तो आधे से ज्यादा रिक्शा चालकों के पास ना तो लाइसेंस है, ना ही गाड़ी के कागजात है।राजनीतिक पार्टियों के नाम पर अवैध स्टैंड बना लिए हैं. इन पर कार्रवाई का जिम्मा आरटीओ, ट्रैफिक और सिटी पुलिस का होता है।लेकिन इन पर इनका कोई असर नहीं दिखाई पड़ता है। जाने माने आर टी आई ऐक्टिविस्ट और समाजसेवक मनोहर जरियाल ने बताया कि घाटकोपर स्टेशन पूर्व में गोवंडी शिवाजी नगर, कामराज नगर, रमाबाई कॉलोनी के लिए रिक्शा स्टैंड है।

यहां पर बेस्ट बस स्टाप पर रिक्शा चालकों की ओर से रिक्शा खड़े किए जाने से बेस्ट बस चालकों और यात्रियों के काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। मनोहर जरियाल के अनुसार सहार एयरपोर्ट,विक्रोली, पार्क साईट, खैरानी रोड, आर सी टी मॉल,चांदिवली, असल्फा के लिये अवैध तरीके से शेयर रिक्शा के नाम पर यात्रियों से लूट मची हुई है। ट्रैफिक पुलिस की मिली भगत से स्क्रैप वाले ऑटो चलाए जा रहे हैं, सभी ऑटो स्टैंड अवैध है इससे स्टेशन रोड जाम रहता है. इनके पास परमिट और वैध लाइसेंस नहीं है, ड्राइवर के ऊपर दर्जनों मामले दर्ज है। यही लोग पैसेंजरों से मारपीट भी करते हैं उसके बावजूद भी इनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं होती है।

उत्तर यादव युवा संघ द्वारा भक्तों के लिए लस्सी केला आदि प्रसाद का वितरण

अंबरनाथ (उत्तरशक्ति)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अंबरनाथ की प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। विविध सामाजिक और राजनीतिक संगठनों द्वारा प्रसाद के रूप में शरबत, लस्सी, केला और विभिन्न वस्तुओं का वितरण किया गया।इसी तरह उत्तर यादव युवा संघ द्वारा प्रति वर्ष की भांति भक्तों के लिए लस्सी केला आदि प्रसाद का वितरण किया गया। उत्तर यादव युवा संघ के कल्याण जिला और अंबरनाथ विधान मंडल की पूरी टीम ने हर्षोल्लास के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनाया। बीते 27 सालों से महाशिवरात्रि पर प्रसाद वितरण का कार्यक्रम निरंतर चल रहा है। इस मौके पर उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश यादव, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अभयराज यादव, अंबरनाथ सलाहकार अर्जुन यादव, राष्ट्रीय सचिव व कल्याण जिलाध्यक्ष जितेंद्र यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश यादव, राजाराम यादव, वीरेंद्र यादव, सुभाष यादव, श्यामनारायण यादव, शिवम यादव, रामनगीना यादव, पंकज यादव, सतीश यादव आदि उपस्थित थे।

भिवंडी में महापौर पद के लिए 9, उपमहापौर के लिए 6 नामांकन दाखिल

◆भाजपा, शिवसेना, कांग्रेस के साथ विलास पाटिल और जावेद दलवी भी मैदान में

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के चुनाव परिणाम घोषित होने के लगभग एक माह बाद 20 फरवरी को होने वाले महापौर व उपमहापौर चुनाव के लिए सोमवार (16 फरवरी) को दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक नामांकन प्रक्रिया पूरी हुई। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने-अपने समर्थक नगरसेवकों के साथ उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल किए। हालांकि इस बार सबसे अधिक चर्चा कोणार्क विकास आघाड़ी के पूर्व महापौर विलास आर. पाटिल तथा भिवंडी विकास आघाड़ी के जावेद दलवी की एंट्री ने बटोरी। मनपा सदन में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने से महापौर पद की लड़ाई बेहद रोचक हो गई है। महापौर पद के उम्मीदवारों में विलास आर. पाटिल (कोणार्क विकास आघाड़ी), एडवोकेट मयुरेश विलास पाटिल (कोणार्क विकास आघाड़ी), प्रतिभा पाटिल पूर्व महापौर (कोणार्क विकास आघाड़ी), जावेद दलवी (भिवंडी विकास आघाड़ी), तारीक मोमीन (कांग्रेस), नारायण चौधरी (भाजपा), स्नेहा मेहुल पाटिल (भाजपा), बालाराम चौधरी (शिवसेना), सुचिता रूपेश म्हात्रे (शिवसेना) आदि लोगों का समावेश है। वहीं उपमहापौर पद के उम्मीदवारों में तारीक मोमीन (कांग्रेस), अस्मिता प्रभुदास नाइक (शिवसेना), सुहास नकाते (भाजपा), जावेद दलवी (भिवंडी विकास आघाड़ी), एडवोकेट मयुरेश पाटिल (कोणार्क विकास आघाड़ी), शेख आरिब मोहम्मद याकूब (समाजवादी पार्टी) से नामांकन दाखिल किये हैं। बतादें कि मनपा में किसी भी दल को बहुमत न होने के कारण समाजवादी पार्टी (6), कोणार्क विकास आघाड़ी (5) और भिवंडी विकास आघाड़ी (3) के सदस्यों की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। वहीं भाजपा के साथ-साथ शिवसेना द्वारा भी दोनों पदों पर चुनाव लड़ने के फैसले से महायुति में दरार की चर्चा तेज हो गई है। इसके अलावा भिवंडी सेक्युलर फ्रंट से समाजवादी पार्टी के नगरसेवकों की शुरूआती दूरी ने मुकाबले को और पेचीदा बना दिया है। महापौर चुनाव में बहुमत के लिए 46 का ह्लमैजिक फिगरह्व अहम माना जा रहा है। ऐसे में संभावित जोड़-तोड़ और राजनीतिक गतिविधियों के बीच आखिरकार कौन बाजी मारेगा, इस पर सबकी नजरें टिकी हुई है।

भाग्यश्री वर्तक को कोलंबो, श्रीलंका में पहली बार प्रतिष्ठित सोशल एक्सीलेंस इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। डॉ. बी.आर.आंबेडकर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महाराष्ट्र की प्रेसिडेंट भाग्यश्री वर्तक का सम्मान समारोह स्वामी विवेकानंद कल्चरल सेंटर, हाई कमीशन ऑफ इंडिया, कोलंबो में बड़े पैमाने पर हुआ । यह बहुत गर्व की बात है कि समाज सेवा, लीडरशिप और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को ग्लोबल लेवल पर पहचान मिली भाग्यश्री वर्तक मैडम को इस शानदार सम्मान के लिए इंडिया मीडिया लिंक एंड इवेंट्स मैनेजमैंट के डायरेक्टर के.रवि दादा ने बहुत-बहुत बधाई दी और उनके भविष्य की सफलता के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दी। बता दें कि

इंडियन पुलिस मित्र भारत, चिरकुट बेंच फाउंडेशन के सुरेश राठौड़ सर और इस सम्मान के लिए उनके सहयोग और प्रेरणा के लिए डॉ.अंजली चिंचोलीकर मैडम का तहे दिल से शुक्रिया भाग्यश्री वर्तक मैडम ने अदा किया है । साथ ही महाराष्ट्र राज्य दिव्यांग कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष बालासाहब सोनवणे सर तथा डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के राज्य उपाध्यक्ष, साथ ही पूरे मुंबई एवं भारतीय लोगों को भाग्यश्री वर्तक मैडम ने इस अंतरराष्ट्रीय अवार्ड के प्रति काफी धन्यवाद दिए है ।

मानवता की नई मिसाल, लोबा कंपनी के एमडी व निदेशक के जन्मदिन पर 66 यूनिट रक्तदान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्रतिष्ठित कंपनी मैसर्स लोबा केमी प्राइवेट लिमिटेड (लैबोरेटरी रीगेंट्स एंड फाइन केमिकल्स) प्लांट नंबर डी-22 द्वारा सामाजिक सरोकार की एक अनुकरणीय पहल की गई। शनिवार 14 फरवरी को कंपनी के प्रबंध निदेशक निखिल शाह तथा निदेशक रामदास जगताप के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 66 यूनिट रक्तदान किया।

यह रक्तदान शिविर विशेष रूप से थैलेसीमिया जैसी आनुवांशिक रक्त विकार से पीड़ित बच्चों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। विशेषज्ञों के अनुसार थैलेसीमिया रोगियों को जीवन भर नियमित रूप से रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है, ऐसे में लोबा कंपनी की यह पहल अत्यंत सराहनीय और मानवता के प्रति समर्पित मानी जा रही है। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है और अपने जन्मदिन को समाज सेवा के साथ मनाना हमारे लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। वरिष्ठ अधिकारी भी कर्मचारियों के साथ कतार में लगकर रक्तदान करते नजर आए, जिससे प्रबंधन और श्रमिकों के बीच आपसी तालमेल और सामाजिक जिम्मेदारी का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत हुआ। शिविर का शुभारंभ महाराष्ट्र ब्लड बैंक, पालघर के सहयोग से सुबह 10 बजे कंपनी के निदेशक रामदास जगताप द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। जगताप ने कहा कि औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ सामाजिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना एक जिम्मेदार संस्था की पहचान है। इस रक्तदान शिविर के आयोजन में लोबा कंपनी के निदेशक रामदास जगताप, प्रबंधक (एचआर एवं प्रशासन) सुनील तुपे, ईएचएस प्रबंधक संदीप अहिरराव, वरिष्ठ एचआर कार्यकारी एवं प्रबंधन संवर्ग सागर पागधारे ने प्रमुखता से हिस्सा लिया। लोबा कंपनी की इस पहल को क्षेत्र की अन्य औद्योगिक इकाइयों के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है।

अमराई इलाके में मूलभूत सुविधाओं से वंचित नागरिक

चुनाव में किया वादा पूरा करने में जुटे महेश गायकवाड़

कल्याण (उत्तरशक्ति)। केडीएमसी पैनल नंबर 15 के तहत अमराई इलाके में पानी की बहुत कमी है। नालियों की हालत भी बहुत खराब है और रात में स्ट्रीट लाइट न होने की वजह से महिलाओं को अंधेरे में चलना पड़ता है।

लोगों से मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, पैनल नंबर 15 के कॉर्पोरेटर महेश गायकवाड़ ने इस इलाके का इंस्पेक्शन किया। पिछले कई सालों से इस आमराई के लोग बेसिक सुविधाओं से दूर हैं। लोगों को ठीक से पानी नहीं मिल रहा हैं। पानी की सप्लाई न होने की वजह से महिलाओं को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में चुने गए महेश गायकवाड़ ने उस इलाके का दौरा किया। लोगों की कई समस्याओं का जायजा लेते हुए, उन्होंने भरोसा दिलाया कि इन सभी समस्याओं को वह जल्द दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार पूर्व के अमराई परिसर मातोश्री स्कूल के सामने चाली के घरों में रहने वाले में रहने वाले नागरिकों को पालिका की तरफ से बुनियादी सुविधाएं नही मिल रही है। नागरिकों से चुनाव में किया हुवा वादा पूरा करने के लिए महेश गायकवाड़ ने यहां का दौरा किया । नागरिकों ने अपने नगर सेवक महेश गायकवाड़ का पहले तो दिल से स्वागत किया। और अपनी समस्याओं को बारी- बारी से बताया कि पालिका प्रशासन और उनके साथ किस तरह का भेद भाव किया उनके परिसर में सड़क नाली गटर लाइट पानी सभी मूल भूत सुविधाओं से उन्हें वंचित रखा है।

शक्ति का जागरण, भक्ति का उत्सव, मीरा भायंदर में प्रिय बहनों' का भव्य मिलन

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर, कहते हैं न राजनीति में अनेक त्यौहार होते हैं, लेकिन माया की नमी और संस्कृति की विरासत को सहेजने वाला त्यौहार हृदयस्पर्शी होता है। हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख आदरणीय बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धारशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में, प्रताप सरनाईक फाउंडेशन और विहंग चैरिटेबल ट्रस्ट ने मीरा भायंदर के योद्धाओं के लिए एक अनूठा आयोजन किया है। 23 जनवरी से शुरू हुआ यह भव्य हल्दी-केसरिया और लकी ड्रॉ कार्यक्रम मात्र एक उत्सव नहीं, बल्कि शहर की माताओं और बहनों के प्रति सम्मान का एक सशक्त प्रतीक बन गया है। बालासाहेब के विचारों का खजाना बालासाहेब ने जीवन भर मराठी लोगों, माताओं और बहनों को आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाया। उनकी स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस माहव्यापी कार्यक्रम का आयोजन किया है।

शहर के कोने-कोने से हजारों प्रिय बहनों' की उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को सकारात्मक ऊर्जा और स्नेह से भर दिया है। त्योहार की खुशी और लकी ड्रॉ का रोमांच यह समारोह केवल हल्दी और केसर लगाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक लकी ड्रॉ' का आयोजन भी किया गया है। जीतने वाली महिलाओं को मिले आकर्षक पुरस्कार उनके चेहरों पर एक अलग ही तरह की खुशी और आत्मविश्वास लेकर आए हैं। उपस्थित महिलाओं ने कहा, यह सिर्फ एक पुरस्कार नहीं, बल्कि हमारे सच्चे भाई की ओर से एक अभिवादन है। इस पहल पर बोलते हुए, स्थानीय शिवसैनिकों ने अपनी भावनाएं व्यक्त की, प्रताप सरनाईक फाउंडेशन का यह प्रयास राजनीति से परे एक सामाजिक सेवा है। महिलाओं को सम्मान, प्यार और सुरक्षा का एहसास कराना ही बालासाहेब की सच्ची संस्कृति है। यह हल्दी कुंकु कार्यक्रम 23 फरवरी तक चलेगा और इस दौरान पूरे महाराष्ट्र में मीरा भायंदर की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक नया स्वरूप देखने को मिल रहा है।

त्योहारों, संस्कृति और सम्मान का ऐसा त्रिवेणी संगम शहर में पहले कभी नहीं देखा गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद के नाजिम व इमाम हाफिज रियाज अहमद खान को नम आंखों से किया गया सुपुर्दे खाक

जनाजे की नमाज में उमड़ा जन सैलाब, मिट्टी देने वालों का लगा रहा ताता

डॉ.इम्तियाज अहमद/आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति) खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां निवासी मदरसा कुरानिया जामा मस्जिद के नाजिम व इमाम हाफि ज रियाज अहमद खान का शनिवार की देर रात इंतकाल (निधन) हो गया। हाफिज रियाज अहमद खान एक सामाजिक व्यक्ति थे, वर्तमान में मदरसा कुरानिया जामा बड़ी मस्जिद के इमाम थे।

उनकी अचानक हुई मृत्यु से लोगों को यकीन नहीं हो रहा था कि अब इस दुनिया में नहीं रहें। हाफि ज रियाज अहमद खान के जनाजे से लेकर सुपुर्दे खाक तक हजारों की संख्या में मिट्टी देने वाला का ताता लगा रहा।

घर वाले और उनके चाहने वालों ने नम आँखों के साथ उन्हें विदा किया। उनकी मिट्टी में सामाजिक कार्यकर्ता सहित तमाम राजनीतिक दल के नेता मौजूद रहे।

हाफिज रियाज अहमद खान

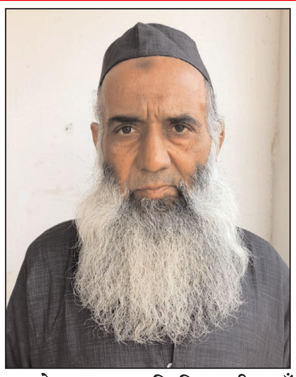

अपने (नाना) यानि कि मानीकलाँ बड़ी जामा मस्जिद के तीसरे इमाम मौलाना अमीनुद्दीन के दौर से मस्जिद के तामीरी काम, मदरसे के काम को लगभग 40 साल से अंजाम दें रहे थे। वर्ष 2001 से मस्जिद की इमामत व ईदु-उल-फितर, ईद-उल-अजहा के साथ साथ, निकाह, जनाजा के फरायेद बखूबी निभा रहे थे।

मौजूदा वक़्त में बड़ी जमा मस्जिद की इमामत जिम्मेदारी मौलाना मोहम्मद अशहद कासमी, तकरीर करने की जिम्मेदारी मुफ्ती मोहम्मद अमजद कासमी, नायब निजामत की जिम्मेदारी हाफि ज मोहम्मद अखलद बखूबी दे रहे। अब बचे हुए अधूरे कामों बीड़ा, मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान के बच्चों ने कस्बा वासियों के सहयोग सेआगे बढ़ने का निर्णय लिया है। नायब निजामत कर रहे हाफि ज मोहम्मद अखलद का कहना था कि जिस तरह से हमारे वालिद मरहूम के लिए मानी कलां कस्बा व आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग का सहयोग मिलता रहा है। आगे भी इसी तरह दीन के कामों मिलता रहेगा इसके लिए हम सभी के शुक्र गुजार होंगे। ताकि मरहूम हाफिज रियाज अहमद खान का अधूरा सपना पूरा हो सके।

हाफिज रियाज अहमद खान ने दुनिया से जाते जाते अपने बच्चों को भी दीन की खिदमत में लगा दिया था।

जिस तरह से हाफिज रियाज अहमद खान ने सारे कामो को अंजाम देते था उसी तरह से अब तीनों बेटे सारे काम को अंजाम दे रहे है। ईद-उल-फितर, ईद उल अजहा, जुमा, पाँचो वक्त की नमाज, निकाह और जनाजा, मस्जिद मदरसे के तामीरी कामो को बखूबी अंजाम दे रहे।

साथ साथ ही हिफ़्ज व एक से पाँच तक हिन्दी, उर्दू, अरबी, अंग्रेजी आदि के तालीमी कामो को बखूबी आगे बढ़ा रहे है। हाफिज रियाज अहमद खान की एक खाइश हमेशा से थी बच्चियों के लिए मानीकलां कस्बा में एक स्कूल होना चाहिए जो बच्चियों के पढ़ने में सहूलियत हड़सिल हो जो बच्चियां पढ़ने में इच्छुक है और वो किसी कारण बाहर पढ़ने नहीं जा पा रही है उनके लिए मानीकलां कस्बा में ही स्कूल हो जाए और उन्होंने अपनी जिंदगी में उस काम को शुरू कर दिया और उसका निर्माण का चल रह है जो मानीकलां अमीनाबाद चौराहा (एजेंसी चौराहा) पर जामिया रियाजुस सालेहात (लिल बनात) के नाम से स्थित है।

जनपद जौनपुर के कस्बा मानीकलां का नाम इतिहास की किताबों में तो नहीं है, लेकिन कहानियों और यादों की किताबों में इसका ज़िक्र जरूर होता है। यह एक ऐसा गांव है जिसकी खास पहचान यह रही है कि यहां पढ़ाई को लेकर कभी कोई दिक्कत नहीं रही, बल्कि हमेशा प्राथमिकता रही है। जहां शहरों और आस-पास के कस्बों में बेसिक एजुकेशन एक लगातार सवाल बना रहता है कि बच्चों को कहां और कौन पढ़ाए। वहीं मानी कलां कस्बा में यह प्रोसेस दशकों से बिना किसी फीस के अच्छे, काबिल और ज़िम्मेदार टीचरों की देख रेख में चल रहा है। लेकिन यह सब सिर्फ.एक इत्तेफ़ाक नहीं है। इस गांव की गलियों में समय के बड़े-बड़े जानकार बड़े हुए हैं। दारुल उलूम के कमेंटेटर मौलाना मजीद अली देवबंदी इसी मिट्टी के बेटे थे, और शेख हदीस मौलाना यूनुस साहिब मजाहेरी ने भी अपनी शुरुआती पढ़ाई की ट्रेनिंग यहीं ली थी। शायद, यह इन बुज़ुर्गों के असर और दुआओं का ही नतीजा था कि मानीकलां में बेसिक दीनी पढ़ाई कभी कोई संकट नहीं बनी, बल्कि एक मजबूत परंपरा बन गई। गांव में शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो जिसे कुरान न पता हो, या जिसे धर्म और दुनिया की बेसिक समझ न दी गई हो। इस परंपरा के पीछे समझ और त्याग दोनों थे। कस्बा के बड़े-बुज़ुर्ग ऐसे काबिल और जानकार लोगों को यहां लाकर बसाते थे जो सच में इस भरोसे के लायक थे। उन्हें हर वो चीज दी जाती थी जिससे वे परिवार और रोज़ी-रोटी की चिंताओं से आज़ाद होकर पूरी लगन से इस गांव की पीढ़ियों की शिक्षा में लग सकें और दूसरी बड़ी वजह यह थी कि गांव में सब मिलकर धार्मिक ज्ञान का सम्मान करते थे। अपने बच्चों को हाफ़िज़े कुरान बनाना एक गर्व की बात मानी जाती थी और यहां टीचर कभी अकेले नहीं होते थे, पूरा गांव उनके साथ खड़ा होता था। लेकिन शनिवार की देर रात इस रोशन सिलसिले का एक दीया बुझ गया। जिन्होंने न सिर्फ.इस परंपरा को संभाला, बल्कि इसे अपनी ज़िंदगी का मकसद बना लिया। उन्होंने चुपचाप और लगातार मेहनत से ऐसा पढ़ाई का माहौल बनाए रखा कि गांव का कोई भी बच्चा बेसिक धार्मिक शिक्षा से महरूम न रह सके। मानीकलां गाँव के हजारों लोगों ने पढ़ना-लिखना सीखा, इस्लाम धर्म की बेसिक समझ हासिल की और ज़िंदगी का रास्ता पहचाना, यह सब उनकी कड़ी मेहनत, देखरेख और ईमानदारी का नतीजा है। आज मानीकलां कस्बा में कुरान कंठस्थ करने वालों की अच्छी-खासी संख्या है, जो इस खामोश संघर्ष के गवाह भी हैं। वह व्यक्ति भले ही बहुत मशहूर न रहा हो, उसके नाम के साथ बड़े-बड़े टाइटल न जुड़े हों, लेकिन उसके काम ने मानी कलां कस्बा की पीढ़ियों को समृद्ध करके अपने लिए एक खास और पक्की जगह बनाई है।

कर्बला की कुबार्नी इंसानियत का पैगाम, जौनपुर में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जमीने मुबारक कदम रसूल छोटी लाइन इमामबारगाह (भंडारी स्टेशन के समीप) शिया पंजतनी कमेटी के तत्वावधान में 28वां ऑल इंडिया मजलिस-ए-अजा व कदीम जुलूस अकीदत और एहतराम के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में देश के नामचीन शिया धर्मगुरुओं ने शिरकत कर कर्बला के पैगाम को इंसानियत की राह दिखाने वाला बताया।

मुजफ्फरनगर से तशरीफ लाए मौलाना सैय्यद अजादार हुसैन ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) की कर्बला में दी गई कुर्बानी कयामत तक इंसानियत को जुल्म के खिलाफ खड़े होने का हौसला देती रहेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया के इतिहास में अनेक कुर्बानियां दी गईं, लेकिन कर्बला जैसी मिसाल किसी भी

मजहब में नहीं मिलती।

दिल्ली से आए मौलाना सैय्यद नामदार हुसैन व मौलाना इब्ने हसन जैदी ने कहा कि कर्बला की दास्तान जब भी बयान होती है, तो इंसानियत का सिर झुक जाता है। मैदान-ए-कर्बला में बुजुर्गों से लेकर मासूम बच्चों तक पर जो सितम ढाया गया, वह मानवता को झकझोर देने वाला है। अम्बेडकरनगर से आए मौलाना बाकर मेहदी ने कहा कि इमाम हुसैन (अ.स.) का संदेश सिर्फ मातम तक सीमित न रहे, बल्कि समाज में जागरूकता और इंसाफ की रोशनी फैलाए।

मजलिस की शुरूआत कारी फजल आजमी ने तिलावत-ए-कुरआन पाक से की। सोजख्वानी सैय्यद गौहर अली जैदी व हमनवां ने पेश की। पेशखानी में डॉ. शोहरत, हसन फतेहपुरी, वसी जौनपुरी, आबाद, खुमैनी आफाकी, डॉ. मोहम्मद मेहदी आजाद व मेंहदी जौनपुरी ने अपने कलाम से कर्बला के शहीदों को नजराना-ए-अकीदत पेश किया।

अलविदाई मजलिस में मौलाना सैय्यद अजादार हुसैन ने हजरत मोहम्मद साहब और उनके नवासों की कुर्बानियों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने हक और इंसाफ की खातिर अपना लहू कुर्बान कर दिया, लेकिन जुल्म के आगे सिर नहीं झुकाया। मजलिस के बाद शबीहे ताबूत, अलम मुबारक व जुलजनाह का कदीम जुलूस निकाला गया।

अंजुमन शमशीरे हैदरी ने नौहाख्वानी व मातम किया। या हुसैन की सदाओं से फिजा गूंज उठी। जुलूस अपने पारंपरिक मार्ग से होता हुआ इमामबारगाह कदम रसूल पहुंचकर सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के अंत में कमेटी की ओर से शाहिद मेहदी, नेहाल हैदर, कैफी रिजवी, ऐजाज हुसैन, रूमी आब्दी, निवाज हुसैन, रियाज मोहसिन, मोहम्मद अब्बास व हसनैन दीपू ने आभार व्यक्त किया। संचालन बेलाल हसनैन व मौलाना शेख हसन जाफर ने किया। इस अवसर पर डॉ. कमर अब्बास, शहंशाह आब्दी, सैय्यद जफरुल रिजवी, आजम जैदी, नवाब हसन सोनू, समीर प्रधान बिस्वा, इजहार हुसैन, कुमैल मेहदी, असगर मेहदी, शाकिर जैदी सहित हजारों अजादार मौजूद रहे।

मुलुंड हादसे में यूपी जौनपुर के ग्राम प्रधान की गयी जान

शुभम यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई में यूपी जौनपुर के ग्राम प्रधान रामधनी यादव की दर्दनाक मौत बता दे कि ग्राम भरथानी थाना मड़ियाहूं निवासी ग्राम प्रधान रामधनी यादव थे जो मुंबई में किसी की शादी में गए हुए थे। जो कि बहुत सपना लेकर गए थे मुंबई की वहां की लोकल ट्रेनो का आनंद लेंगे खूब घूमेंगे लेकिन उनके भाग्य में कुछ और ही था बीते दिनों मुंबई के मुलुंड में मेट्रो निर्माण कार्य चल रहा था और अचानक से उसके पिलर का एक हिस्सा गिर पड़ा जो कि एक ऑटो रिक्शा को अपने चपेट में ले लिया और ऑटो के परखच्चे उड़ गये। जिसमें ग्राम प्रधान रामधनी यादव को गंभीर चोटें आयी अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु

हो गई जिससे ग्रामीणों में शोक कि लहर दौड़ पड़ी मिली जानकारी के अनुसार रामधनी यादव जौनपुर के मड़ियाहूं से समाजवादी पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष और ग्राम सभा भरथानी से प्रधान है जो मुंबई के भांडुप में अपने रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने आए थे। इस हादसे में अपनी जान गवां बैठे मृतक के परिजनों ने बताया कि वह पहली बार मुंबई की चमक धमक और यहां की मशहूर चीजें व मुंबई की लोकल देखने आए थे उनका यह सपना था कि मुंबई की लोकल ट्रेनो में सफर करें और शहर के पर्यटन स्थलों का आनंद लें लेकिन उनका यह सपना अधूरा रह गया प्रधान रामधनी यादव व पूर्व प्रधान महेंद्र यादव उत्तर प्रदेश के जौनपुर से मुंबई घूमने गए थे।

मेडिकल कॉलेज हृदय रोगियों के लिए बड़ी सौगात

डा.आनन्द कुमार सिंह की विशेषज्ञ कार्डियोलॉजी ओपीडी शुरू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लगातार सकारात्मक बदलाव ला रहे उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के

प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के नेतृत्व में संस्थान में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। मेडिसिन विभाग में डीएम कार्डियोलॉजिस्ट डा० आनन्द कुमार सिंह के कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही हृदय रोग विशेषज्ञ की ओ०पी०डी० औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दी गई है, जिससे अब जनपद के हृदय रोगियों को उपचार हेतु निजी अस्पतालों का रूख नहीं करना पड़ेगा।

प्रचानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल* ने उपस्थित मरीजों एवं परिजनों को संबोधित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में अब कार्डियोलॉजी की विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि इस महत्वपूर्ण सुविधा की जानकारी अपने आसपास के लोगों तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक मरीज इसका लाभ उठा सकें। जिससे मरीजों को महंगे निजी अस्पताल के उपचार से राहत मिलेगी।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी ने इसे मेडिकल कालेज एवं जनपद के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि विशेषज्ञ कार्डियोलॉजिस्ट द्वारा नियमित ओ०पी०डी० संचालित होने से हृदय रोगियों के उपचार में गुणवत्ता एवं सुगमता दोनों सुनिश्चित होंगी।

चिकित्सा अधीक्षक डा० विनोद कुमार ने आगे बताया कि मेडिसिन विभाग में डा० आनन्द कुमार सिंह के जुड़ने से ओ०पी०डी० सेवाएं और सशक्त होंगी तथा हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार मिल सकेगा। उन्होंने इसे विभाग की उन्नति और समाज सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य आमजन को उत्कृष्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।

डीएम कार्डियोलॉजिस्ट डा० आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने जनपद की जनता को बेहतर हृदय रोग चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों की सेवा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

डा० सिंह ने जानकारी दी कि वे प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार एवं शुक्रवार को नियमित रूप से ओ०पी०डी० में बैठकर हृदय रोगियों का परामर्श एवं उपचार करेंगे। शेष कार्यदिवसों में वे महाविद्यालय से संबंधित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे, ताकि संस्थान में चिकित्सा सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षक डा० जितेन्द्र कुमार, डा० विनोद वर्मा, डा० मुदित चौहान, डा० ऋषिकेश एवं डा० अक्षय कुमार सहित अन्य चिकित्सक व कर्मचारीगण तथा मरीज व उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में महाशिवरात्रि पर भव्य रुद्राभिषेक, श्रद्धा-भक्ति से गूँजा परिसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल के कुशल नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित शिव मंदिर पर भव्य रुद्राभिषेक एवं पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आदर्श यादव, सहायक आचार्य,

एनेस्थीसिया विभाग द्वारा किया गया, जिसमें पूरा परिसर भक्तिमय माहौल में हर-हर भोले और शिव शंकर के जयघोष से गूंज उठा। रुद्राभिषेक के दौरान सभी चिकित्सकगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा और आस्था के साथ सहभागिता करते हुए पूजा में ध्यानमग्न होकर भगवान शिव की आराधना की। प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल भी गहन श्रद्धा के साथ पूजा में सम्मिलित हुए। उनकी भक्ति और एकाग्रता ने उपस्थित सभी लोगों के मन में आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा का विशेष भाव जागृत किया। कार्यक्रम के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने प्रसाद ग्रहण कर प्रसन्नता व्यक्त की। पूरे उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न इस आयोजन की सभी ने सराहना करते हुए इसे सफल और प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य प्रोफेसर आशीष यादव, चीफ प्रॉक्टर प्रोफेसर रुचिरा सेठी, डॉ0 ले0 कर्नल सीबीएस पटेल, डॉ0 अरविंद पटेल, डॉ0 जितेंद्र कुमार, डॉ राममनी बिन्द, डॉ आशुतोष पांडे, डॉ अक्षय कुमार, डॉ जयंत शर्मा व अन्य चिकित्सक व कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी जौनपुर ने मारपीट में चोटिल व्यक्ति का री मेडिकल कराने का दिया आदेश

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र स्थित ग्राम परसुपुर में

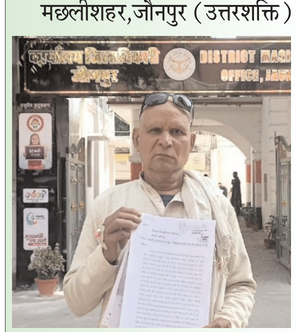

खेत की सिचाई के दौरान हुई मारपीट में राजबली मौर्य पुत्र सालिकराम के कनपटी, सिर, कान, आँख, गले मे गंभीर चोटे आई हैं। पीड़ित राजबली मौर्य पुत्र सालिकराम द्वारा थाना मछली शहर में प्रार्थना पत्र दिया गया। प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना मछली शहर में पुलिस द्वारा विधिक कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया था। ग्राम परसूपुर निवासी राजबली ने बताया कि पुलिस द्वारा मेरा मेडिकल कराया गया था लेकिन मैं अपनी चोट की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी को पुनः मेडिकल कराने का प्रार्थना पत्र दिया उनके आदेश पर हमारा पुनः परिक्षण दिनांक 13 फरवरी 2026 को जिला चिकित्सालय जौनपुर में कराया गया।अभी हमारा इलाज चल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जाँच की जा रही है।

गड्ढे में डूबा 5 साल का मासूम, सुबह मिला शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र के जदईपुर गोरा पट्टी गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया। घर से लापता हुए 5 वर्षीय बच्चे का शव घर से कुछ दूरी पर बने पानी भरे सोख्ता गड्ढे में मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक मुख्तार शाह का पुत्र सूफियान रविवार शाम करीब छह बजे अचानक घर से गायब हो गया था। परिजनों ने देर शाम तक रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ रातभर खोजबीन कराई, मगर बच्चे का पता नहीं चल सका। सोमवार सुबह दोबारा तलाश शुरू की गई तो घर से लगभग 100 मीटर दूर एक पानी से भरे सोख्ता गड्ढे में बच्चे का शव तैरता मिला। बताया जा रहा है कि गड्ढे में चार से पांच फीट तक पानी भरा था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि खेलते समय बच्चा उसमें गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची रामपुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में खुले और खतरनाक गड्ढों को तत्काल भरवाकर सुरक्षित कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं न हों।

रामपुर में युवक की बेरहमी से हत्या, सरसों के खेत में मिला कुचला हुआ शव

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के रामपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब

आशापुर फेरूपुर गांव के पास वरुणा नदी किनारे सरसों के खेत में एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। युवक की उम्र लगभग 23 वर्ष बताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, खेत में पड़े शव का चेहरा ईंट से बुरी तरह कुचला गया था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही थाना रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है।

मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम: घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं और फॉरेंसिक टीम को तत्काल बुलाया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

घटनास्थल से बाइक और संदिग्ध सामान बरामद: पुलिस को शव से कुछ दूरी पर एक बाइक भी लावारिस हालत में मिली है। बाइक के साइलेंसर पर पैरों के निशान पाए गए हैं। इसके अलावा घटनास्थल के पास शराब की बोतलें भी पड़ी मिलीं, जिनमें से एक बोतल टूटी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि पहले युवक के साथ मारपीट की गई और फिर ईंट व किसी धारदार हथियार से उसका चेहरा कुचलकर हत्या कर दी गई।

जांच में जुटी पुलिस: फिलहाल हत्या किस कारण से की गई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और बाइक के आधार पर युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

इस निर्मम हत्या से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने जल्द ही मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया है।

इंटरनेशनल साइबर क्राइम कॉन्फ्रेंस 2026 में पीयू की खुशी मिश्रा को द्वितीय पुरस्कार

सामाजिक माध्यम और साइबर अपराध पर डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर ने दिया विशेष व्याख्यान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की छात्रा एवं विश्वविद्यालय के साइबर क्लब की साइबर वॉलिंटियर खुशी मिश्रा ने इंटरनेशनल साइबर क्राइम कॉन्फ्रेंस 2026 के अंतर्गत आयोजित सीटीए रील चैलेंज 2026 प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने खुशी मिश्रा की रील की प्रशंसा करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। कुलपति ने कहा कि छात्र-छात्राएं आगे भी इसी प्रकार सृजनात्मक एवं समाजोपयोगी कार्य करते रहें और विश्वविद्यालय का मान बढ़ाते रहें।\

यह प्रतियोगिता साइबर टेक्नो अटॉर्नीज एवं शिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के अंतर्गत संपन्न हुई। सम्मेलन में साइबर अपराध, डिजिटल गोपनीयता, ऑनलाइन सुरक्षा, साइबर कानून तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से

जुड़ी नई चुनौतियों पर विशेषज्ञों द्वारा व्यापक विचार-विमर्श किया गया। कांफ्रेंस के आयोजक एवं साइबर विशेषज्ञ मोहम्मद हसन जैदी ने इस पुरस्कार की घोषणा की। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न भागों से 80 से अधिक रील प्रतियोगिता के लिए भेजे गए थे।

सम्मेलन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के सहायक आचार्य एवं साइबर क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर को विशेष व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक माध्यमों पर साइबर अपराध के उभरते रुझानः कारण, प्रभाव और रोकथाम के उपाय विषय पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया।इस अवसर पर जनसंचार विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज मिश्रा, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. चंदन सिंह, डॉ. अमित मिश्र, आनंद सिंह, पंकज सिंह सहित विभाग के अनेक विद्यार्थियों ने खुशी मिश्रा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए शक्ति मोबाइल टीम का किया गठन

सहायक पुलिस अधीक्षक सृष्टि जैन द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर से हरी झण्डी दिखाकर वाहन को किया गया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह द्वारा दिनांक 16.02.2026 को मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत नारी स्वावलंबन, नारी सुरक्षा की भावना को और मजबूती देने के लिए जनपद में नई पहल करते हुए नारी सुरक्षा को समर्पित शक्ति मोबाइल को पुलिस पुलिस लाइन जौनपुर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में सहायक पुलिस अधीक्षक सृष्टि जैन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। द्वारा महिलाओं की सुरक्षा हेतु शक्ति मोबाइल में लगे पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विभिन्न तरीके बताये गये कि कैसे हमे जनपद में बालिकाओं, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है। शक्ति मोबाईल नारी सुरक्षा हेतु 24 घंटे मुस्तैद रहेगी तथा नारी सुरक्षा से महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं हेल्पलाइन इत्यादि के बारे में स्कूल, कॉलेज बाजार आदि जगहों पर जाकर छात्राओं, महिलाओं को जागरूक करेगी । भ्रमण के दौरान शक्ति मोबाईल स्कूल,कॉलेज, कोचिंग संस्थान खुलने एवं बंद होने के समय तथा अधिकांश उन स्थानों

पर भ्रमण करेगी जहां पर महिलाओं का आवागमन रहता है इस दौरान शक्ति मोबाईल छात्राओं, महिलाओं से संपर्क कर उनका फीडबैक लेंगे तथा उनकी समस्याओं को सुनकर निराकरण करेंगी । शक्ति मोबाइल वैन में एक महिला उप निरीक्षक 02 महिला आरक्षी, 02 आरक्षी व चालक दिन की शिफ्ट में और इसी प्रकार रात्रि की शिफ्ट में भी उपलब्ध रहेगें। कोई भी महिला किसी भी विषम परिस्थिति में शक्ति मोबाइल टीम की सहायता प्राप्त कर सकती है । मौजूद आमजन ने पुलिस की शक्ति मोबाइल सेवा की सराहना करते हुए कहा कि इस सेवा के शुरू होने से जनपद में महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगेगा। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी सदर देवेश सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। शक्ति मोबाइल टीम के प्रमुख कार्य, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम, महिलाओं को आपातकालीन स्थिति में तत्काल मदद प्रदान करना, महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान करना, महिलाओं को सुरक्षा के लिए जागरूक करना, महिलाओं के खिलाफ अपराधियों को पकड़ना और उन्हें कानून के शिकंजे में लाना, जौनपुर पुलिस हमेशा महिलाओं के साथ खड़ी है।

टीडी कालेज में 65 वाँ वार्षिक खेलकूद प्रारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। टीडी कॉलेज जौनपुर के 65 वें वर्षिक खेल कूद समारोह का आयोजन महाविद्यालय के उमानाथ सिंह स्टेडियम में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र रहे। प्राचार्य, टी0डी0 कॉलेज के द्वारा जिलाधिकारी को अंगवस्त्रम एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा मशाल प्रज्वलित करके 65 वें वर्षिक खेल को समारोह के शुभारंभ की विधिवत घोषणा की गयी । उन्होने खिलाड़ियों को आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। जिलाधिकारी के द्वारा विद्यार्थियों से अपेक्षा की गयी कि वे टीडी कॉलेज की गौरवशाली परंपरा को शिक्षा, कला, साहित्य, खेल सहित अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनपद जौनपुर में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन प्रदान करने की है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ खेलों में भाग लेने तथा राष्ट्र और जनपद का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रोफेसर राम आसरे सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल कूद अत्यधिक महत्वपूर्ण है और इस तरफ के आयोजन से प्रतिभा उभरने का अवसर मिलता है। समारोह का संचालन प्रोफेसर अजय कुमार दुबे एवं अतिथियों के प्रति आभार प्रोफेसर शेखर सिंह ने किया। वार्षिक खेलकूद का समापन और पुरस्कार वितरण 17 फरवरी 2026 को सम्पन्न होगा। इस अवसर पर महाविद्यालय क्रीड़ा समिति के सदस्य प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह, प्रोफेसर हरी ओम त्रिपाठी, प्रोफेसर राहुल सिंह, प्रोफेसर माया सिंह, डॉ विपिन कुमार सिंह ,डॉ प्रशांत कुमार पांडेय,डॉ रमेश चंद्र यादव, डॉ0 अजय कुमार सिंह सहित प्रो. हिमांशु सिंह तथा अनुशास्ता मंडल के समस्त सदस्य अन्य गणमान्यजनों ने उपस्थित होकर इस आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर ठाणे और मुंबई में 1000 से अधिक भक्तों की भव्य सहभागिता

नवी मुंबई। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अंतर योग फाउंडेशन द्वारा ठाणे में पहली बार आयोजित सर्वसुलभ एवं निःशुल्क जीवन-परिवर्तनकारी विशेष साधना अत्यंत उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ सम्पन्न हुई। फाउंडेशन के संस्थापक ब्रह्मर्षि आचार्य उपेंद्र जी के मार्गदर्शन में आयोजित इस भव्य आध्यात्मिक आयोजन में ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई क्षेत्र के 1000 से अधिक भक्तों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रातः 7 बजे प्रारंभ हुए इस साधना शिविर में स्वास्थ्य, समृद्धि, सुदृढ़ संबंध, शैक्षणिक उन्नति तथा आध्यात्मिक प्रगति के लिए विविध प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए गए। साधकों ने ध्यान, जप, प्रार्थना एवं ऊर्जा-आधारित साधना का अनुभव प्राप्त कर गहन आत्मिक संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान महामृत्युंजय यज्ञ तथा शिवलिंग पर अभिषेक जैसे पारंपरिक एवं प्रभावी अनुष्ठान सम्पन्न हुए। इच्छापूर्ति हेतु तपस्वी ब्राह्मणों द्वारा संकल्प कराया गया। साथ ही उपस्थित जनों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श उपलब्ध कराया गया। विशेष रूप से हीलिंग साधना के प्रभावों को जानने हेतु पूर्व एवं पश्चात चिकित्सीय जांच की सुविधा भी प्रदान की गई। विद्यार्थियों के लिए अध्ययन में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु विशेष साधना सत्र आयोजित किया गया, जिसमें अनेक अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ भाग लेकर सकारात्मक ऊर्जा, मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव साझा किया। सहभागियों ने तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन, नींद की गुणवत्ता तथा संबंधों में सकारात्मक परिवर्तन महसूस होने की बात कही। अनेक श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसी दिव्य साधना का अनुभव जीवन में पहली बार हुआ, और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ब्रह्मर्षि आचार्य उपेंद्र जी ने कहा, सही साधना करने पर यहीं और अभी त्वरित फल की अनुभूति होती है, यही सच्चा अध्यात्म है। सामाजिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से अंतर योग फाउंडेशन देशभर में ऐसे कार्यशालाओं का आयोजन कर रहा है तथा तीन करोड़ लोगों तक इस अद्वितीय साधना को पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया गया।

वाराणसी : पुलिस ने शराब संग एक को दबोचा, चेकिंग के दौरान मिली सफलता

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के फूलपुर पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी को पकड़ा। उसके पास से 18 पाउच अवैध देशी शराब बरामद किया। पुलिस उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई में जुटी रही। आरोपी शराब की दुकान पर काम करता है। दुकान से शराब लकार दूसरे स्थानों पर ऊंचे दामों पर बेचता है। उपनिरीक्षक सत्यजीत सिंह, चौकी प्रभारी कठिरांव, अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम नयेपुर के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर काशी गुप्ता (42 वर्ष), पुत्र नारायण गुप्ता, निवासी ग्राम कादिराबाद, थाना सकलडीहा, जनपद चंदौली को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास से 14 पाउच विंडीज लाइम और 4 पाउच ग्लोबल ब्लैक ब्रांड की कुल 18 पाउच अवैध देशी शराब बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर थाना फूलपुर में मुअसं 0051/2026, धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नयेपुर स्थित देशी शराब के ठेके पर कार्य करता है। उसने बताया कि ठेका प्रतिदिन सुबह 10 बजे खुलता है, लेकिन वह उससे पहले शराब लाकर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेचता था। घटना के दिन भी वह इसी उद्देश्य से मौके पर मौजूद था, तभी पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

चकबन्दी प्रक्रिया में अनियमितता के विरोध में सड़क पर उतरे कैलावर के काश्तकार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के ग्रामसभा कैलावर में चकबन्दी प्रक्रिया में घोर अनियमितता के विरोध में डा. जंग बहादुर यादव एडवोकेट के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि चकबन्दी अधिकारी एवं चकबन्दी कर्ता द्वारा काश्तकारों को न फार्म 35 वितरित किया गया और न ही 45। ऐसे में उनको प्राकृतिक न्याय से वंचित किया गया। इस संदर्भ में ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। चकबन्दी प्रक्रिया में इतनी बड़ी लापरवाही से ग्रामीण बहुत भयभीत हैं। ग्रामसभा कैलावर में जो चकबन्दी प्रक्रिया हुई है, उसमें लगभग 300 से अधिक संदर्भ बनाये गये हैं। ज्यादातर काश्तकारों के 5 से 6 चक जो 10, 15, 25 एअर के चक दिये गये जो बहुत छोटे-छोटे हैं, उसमें काश्तकारी करना कठिन है जो चकबन्दी प्रक्रिया के उद्देश्य के विपरीत है। चकों की माप अधूरी है। बहुत से मुकदमे अभी तक न्यायालय में लंबित है। सार्वजनिक स्थानों पर आने–जाने के लिये चकमार्ग नहीं है। इन सब शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुये तत्काल धारा 52 स्थगित किये जाने की मांग की गयी। साथ ही संबंधित चकबन्दी अधिकारियों के ऊपर विभागीय कार्यवाही करने की मांग किया गया। जिलाधिकारी ने त्वरित कार्यवाही हेतु चकबन्दी अधिकारी को निर्देशित किया। वहीं लोगों ने चेतावनी दी कि यदि त्वरित कार्यवाही नहीं हुई तो किसान जनान्दोलन के लिये बाध्य होंगे। साथ ही उच्च न्यायालय का सहारा भी लेंगे। इस अवसर पर ग्रामसभा के काश्तकारों के साथ दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता संघ की जिलाध्यक्ष सुभाष चन्द्र यादव, व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल, प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी राजेश यादव लोहिया, रविशंकर यादव, प्रदीप यादव एडवोकेट कलेक्ट्रेट, निहाल अहमद, संजय यादव, राहुल, जितेन्द्र यादव, जय प्रकाश, गुलाब सरोज, वीरेन्द्र सिंह, गोलू सिंह, रमेश सहित तमाम पीड़ित काश्तकार उपस्थित रहे।

पुलिस और युवाओं के बीच बढ़ा भरोसे का सेतु, थाना बक्शा में हुआ प्रेरक संवाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (स्पेल) कार्यक्रम के तृतीय चरण के अंतर्गत सोमवार को जनपद के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने थाना बक्शा का शैक्षिक भ्रमण कर पुलिस कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के निर्देशन तथा सहायक पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी (स्पेल) गोल्डी गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से नामित स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। समरजीत पी.जी. कॉलेज, धर्मा देवी पी.जी. कॉलिज, माँ गुजराती पी.जी. कॉलिज, विद्याधर तिवारी पी.जी. कॉलिज और सल्तनत बहादुर पी.जी. कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह एवं उपनिरीक्षक परमानंद त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को कानून व्यवस्था, हेल्पलाइन नंबर, साइबर अपराध से बचाव तथा एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। पुलिस-पब्लिक संवाद सत्र में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम, अनाथालय, महिला आश्रम, किशोर गृह और नशा उन्मूलन केंद्रों की कार्यप्रणाली से अवगत कराते हुए सामाजिक सरोकारों पर बल दिया गया। मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ॰प्रतीक रघुवंशी, मनोज कुमार यादव, अभिषेक कुमार कौशिक सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

पानी के विवाद ने लिया खूनी रूप, पट्टीदारों की मारपीट में महिला की मौत

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कई दिनों से चली आरही पानी को लेकर विवाद आखिर में एक प्राण की आहुति ले ली। जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के सरपतहां थाना क्षेत्र के ग्राम सदरुद्दीनपुर निवासी 50 वर्षीय इंद्रावती बिंद पत्नी बुधिराम बिंद का अपने ही पट्टीदार से दरवाजे पर पानी गिराने को कई दिनों से विवाद चल रहा था। सोमवार की सुबह दोनों पक्ष आमने सामने हो गए और जमकर मारपीट की जिसमे इंद्रावती को गम्भीर चोटे आई हालत गम्भीर होने पर परिजन सरकारी एम्बुलेंस से उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज ले आये जहां प्रथम दृष्टया चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं परिजनों का आरोप है की इंद्रावती को पट्टीदारों ने बाँस से बुरी तरह मारा पीटा जिससे उनकी मौत हो गयी। सूचना मिलने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे प्रभारी निरीक्षक केके सिंह ने आवश्यक लिखा पढ़ी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। वही सरपतहां पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। सीओ अजीत सिंह चौहान ने बताया की पानी को लेकर विवाद हुआ था। जिसमे एक महिला की मौत हुई है। एक पुरुष और दो महिलाओं की गिरफ्तारी कर जांच पड़ताल की जा रही है।

डीएम द्वारा मेडिकल कालेज के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं लंबित समस्याओं की समीक्षा

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ॰ दिनेश चंद्र ने उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्धिकपुर में बैठक कर निर्माण कार्यों की प्रगति एवं लंबित समस्याओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बैठक में प्रधानाचार्य ने अवगत कराया कि कार्यदायी संस्था द्वारा भवन का कार्य अभी पूर्ण नहीं कराया गया है, जिससे अस्पताल का संचालन प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। परियोजना प्रबंधक (सिविल एवं विद्युत) द्वारा धनाभाव का हवाला दिए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि लगभग धनराशि शासनादेशों के माध्यम से उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को भुगतान की जा चुकी है। जिलाधिकारी ने लगभग पूर्ण भुगतान के उपरांत भी निर्माण कार्यों में शिथिलता बरतने पर उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड (सिविल एवं विद्युत इकाई) के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी एवं प्रधानाचार्य को दिए। सेंट्रल एसी एवं सबस्टेशन के हैंडओवर के संबंध में प्रधानाचार्य ने स्पष्ट किया कि कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में हस्तांतरण संभव नहीं है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, उ०प्र० पावर कॉरपोरेशन एवं प्रांतीय खंड, लोक निर्माण विभाग, जौनपुर को संयुक्त भौतिक निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परियोजना को गुणवत्ता मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण कर जनपदवासियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में प्राचार्य डॉ. आर.बी. कमल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियंता वी.के. सिंह, अवर अभियंता लोक निर्माण विभाग ए.के. सिंह, परियोजना प्रबंधक एस.के. यादव, अनुराग कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं हेतु आयोजित एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों की छात्राओं हेतु आयोजित एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान से बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य छात्राओं को शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराकर उनके ज्ञान एवं अनुभव का विस्तार करना है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्राओं की सुरक्षा, एवं सुचारु यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।एक्सपोजर विजिट के दौरान बस में एक महिला पुलिस कर्मी, दरोगा और एक महिला शिक्षिका की तैनाती की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मेडिकल किट उपलब्ध कराई गई है तथा सभी वाहनों की फिटनेस जांच कर सुरक्षित यात्रा की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छात्राएं विद्यालयों से प्रस्थान कर वाराणसी स्थित विभिन्न शैक्षणिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगी तथा निर्धारित समयानुसार वापस लौटेंगी। जिलाधिकारी ने छात्राओं को यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उन्हें भविष्य के लिए नई प्रेरणा प्राप्त होगी। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

10 अप्रैल को प्रकाशित हो जाएगी 2026 की फाइनल वोटर लिस्ट : आयुक्त

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नवदीप रिणवा मुख्य निर्वाचन आयुक्त उत्तर प्रदेश ने सोमवार को चौकाघाट में प्रेस वार्ता की। बताया कि 10 अप्रैल 2026 को पूरे प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी, जो भविष्य के चुनावों के लिए स्थायी रिकॉर्ड के रूप में उपयोग में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत दावे-आपत्तियों पर सुनवाई का कार्य जारी है। वाराणसी में सुबह कबीर चौराहा स्थित कंपोजिट विद्यालय (एबीआरसी) में चल रही सुनवाई प्रक्रिया का निरीक्षण किया गया। वहां व्यवस्थाओं, सुनवाई की पारदर्शिता, समयबद्धता और मतदाताओं के अनुभव की समीक्षा की गई, ताकि प्रक्रिया अधिक प्रभावी और सुचारु बनाई जा सके। रिणवा ने बताया कि इसके बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ लगभग 40-45 मिनट तक बैठक हुई। बैठक में दलों ने पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर अपने अनुभव और सुझाव साझा किए, जिन्हें गंभीरता से नोट किया गया। आयोग की ओर से भी पूरी प्रक्रिया की जानकारी उनके समक्ष प्रस्तुत कर दी गई है।

पवारा अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर धर्मा देवी महाविद्यालय के संचालक दिनेश तिवारी द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न

-प्रेम चंद मिश्रा

पवॉरा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर जनपद तहसील मछली शहर पोस्ट ग्राम पवारा बाजार स्थित अद्धेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि के उपलक्ष पर व्यवसायी राजेश अद्याप्रसाद तिवारी धर्मा देवी महाविद्यालय के संस्थापक के परिवार द्वारा रुद्राभिषेक किया गया। यह आयोजन दिनांक 15 फरवरी 2026 दिन रविवार को शिवरात्रि के पर्व रखा गया था । राजेश तिवारी प्रयागराज में एक व्यवसायी के साथ समाजसेवी भी है। उन्होंने अपनी मां धर्मा देवी के यादगार में धर्मा देवी महाविद्यालय का निर्माण जनपद जौनपुर विकास खण्ड मुंगरा बादशाहपुर, पोस्ट ग्राम पवारा बाजार में निर्माण कराया है। जिसमें हजारों की संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। तिवारी एक शिक्षित और संपन्न परिवार से ताल्लुक रखते है। भगवान शिव के मस्तक पर चंद्र सुशोभित रहता हैं । शीतलता भोलेनाथ को अतिप्रिय है ।दूध ,जल , नारियल पानी शीतल होता है ।इसके मिश्रण से महादेव पर सावन मास में रुद्राभिषेक किया जाता है । जिससे भोलेनाथ अतिखुश होते हैं । लेकिन भोलेनाथ की कृपा से शिवरात्रि के पावन पर्व पर परिवार के सभी सदस्य पत्नी श्रीमती रेखा राजेश तिवारी , बड़े भाई दिनेश अद्याप्रसादतिवारी (उत्तर प्रदेश शासन पूर्व पुलिस अधिकारी) तथा धर्म पत्नी श्रीमती सावित्री देवी तिवारी के द्वारा रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। अद्धेश्वर महादेव मंदिर के प्रमुख पूजारी ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील मिश्रा के सहयोग से रुद्राभिषेक पंडितों के द्वारा किया गया । उस शुभ अवसर पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार विष्णु कांत मिश्रा, पिता ब्रह्मदेव मिश्रा, मां सवित्रा मिश्रा , तिवारी परिवार के सभी सदस्य सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय बजट से इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार को गति मिलेगी: रमेश सिंह

विकासखंड खुटहन ब्लॉक परिसर में आयोजित हुई केंद्रीय बजट 2026 पर आधारित विधानसभा चौपाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड खुटहन ब्लॉक परिसर में आयोजित केंद्रीय बजट 2026 पर आधारित विधानसभा चौपाल कार्यक्रम में रविवार को विधायक रमेश सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ, माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके स्वागत किया गया।विधायक ने चौपाल कार्यक्रम में केंद्रीय बजट के विभिन्न प्रावधानों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं देश के समग्र विकास की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला। विधायक ने बताया कि यह केंद्रीय बजट देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाला है। बजट में आर्थिक विकास को गति देने और उसे धारणीय रखने पर जोर दिया गया है। इसके लिए, सरकार ने 7 रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार को गति मिलेगी। उन्होंने चौपाल में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं के साथ संवाद करते हुए बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों एवं मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को साझा किया। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि सरकार ने हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा की है, जिससे यातायात को गति मिलेगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सरकार समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव ने कहा कि बजट में टैक्स सुधारों की घोषणा की गई है जिससे छोटे करदाताओं को लाभ मिलेगा।मौके पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत अजय मिश्रा, मंडल अध्यक्ष गण वसंत लाल मौर्य खुटहन, अनिल सिंह, सुईथाकला, अवधेश दुबे अरसिया, डॉ॰ अशोक बिंद, जमुनिया, चिंता हरण शर्मा शाहगंज), खुशी राम मिश्र, बेचन पाण्डेय, नरेंद्र उपाध्याय जी जिला अध्यक्ष, भाजपा किसान मोर्चा, भीम सिंह (पूर्व मंडल अध्यक्ष), श्री जितेंद्र सिंह संयोजक शाहगंज विधानसभा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डॉ. रागिनी का कुपोषण और एनामिया के मामले में सरकार पर हमला

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए 30,000 मानदेय की मांग उठाई

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ विधानसभा में बजट सत्र के दौरान आज सोमवार को समाजवादी पार्टी की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की नीतियों और प्रदेश में बढ़ते कुपोषण को लेकर योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। डॉ. सोनकर ने तथ्यों और आंकड़ों के साथ सदन को अवगत कराया कि प्रदेश के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे, गर्भवती महिलाएं और किशोरियां अब भी कुपोषण और एनीमिया के शिकार हैं।

सदन में डॉ. रागिनी सोनकर ने सरकार के संस्कारों पर सवाल उठाते हुए कटाक्ष करते हुए कहा, जहाँ सत्ता पक्ष मातृशक्ति के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करता है, वहीं हम समाजवादी लोग महिलाओं को 'माई' (माँ) स्वरूप मानकर उनके सम्मान की लड़ाई लड़ते हैं। उन्होंने विभागीय मंत्री से पूछा कि क्या सरकार इन माताओं और बच्चों के दुख को क्यों नजरअंदाज कर रही?

कुपोषण के बढ़ते आंकड़ों पर बोलते हुए डॉ. सोनकर ने कहा कि आज के समय में जब चना 80 किलो और दूध 66 लीटर है, तब सरकार एक बच्चे के पोषण के लिए मात्र 8 और गर्भवती महिला के लिए 9 का मानक रखे हुए है। उन्होंने सवाल किया, यदि एक बच्चे को मात्र 250 मिली दूध भी दिया जाए, तो उसकी कीमत ?16. 5 होती है। सरकार बताए कि 8 में वह बच्चों को 600 किलो कैलोरी और 20 ग्राम प्रोटीन कैसे उपलब्ध करा रही है? यह विभाग आज सिर्फ 'गोलमाल और झोलमाल' का केंद्र बनकर रह गया है। विधायक डॉ. रागिनी ने विभाग की रीढ़ कही जाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के शोषण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आंगनबाड़ी बहनें अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर बैठने को मजबूर हैं। डॉ. सोनकर ने सरकार से मांग की कि क्या सरकार इन महिलाओं को डराना बंद कर उन्हें 30,000 प्रति माह मानदेय देने, उन्हें स्थायी (परमानेंट) करने और उन्हें रिटायरमेंट प्लान व स्वास्थ्य बीमा से जोड़ने का काम करेगी। डॉ. रागिनी सोनकर ने अंत में कहा कि जब तक पोषण के बजट को महंगाई के अनुरूप नहीं बढ़ाया जाता, तब तक उत्तर प्रदेश को कुपोषण मुक्त बनाना असंभव है।

जायसवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के कर्मचारियों को मारपीट कर 10 लाख की खंडनी मांगने का आरोप

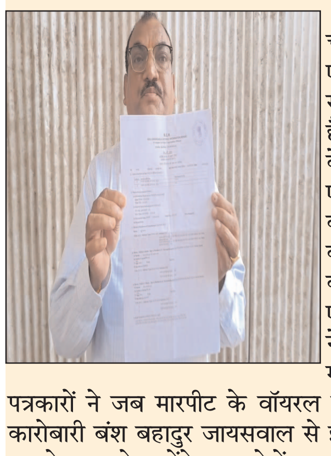

मुंबई। कांदिवली पश्चिम चारकोप सेक्टर 8 में मनसे के नेता एवं कार्यकर्ता की गुंडागर्दी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जायसवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के कंपाउंड में घुसकर वॉचमैन एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट कर 10 लाख की खंडनी मांगने का गम्भीर आरोप कंस्ट्रक्शन कारोबारी बंश बहादुर जायसवाल एवं उनके बेटे मुकेश जायसवाल ने लगाया है। यह मामला सोश्यल मीडिया में खूब वॉयरल हो रहा है। पत्रकारों ने जब मारपीट के वॉयरल वीडियो के संबंध में कंस्ट्रक्शन कारोबारी बंश बहादुर जायसवाल से इस घटना के बारे में उनका पक्ष जानने चाहा तो उन्होंने कुछ लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाते हुये उनसे 10 लाख रुपये का हफ्ता मांगने का सनसनीखेज खुलासा किया है। मारपीट करने वालों पर सबूत मिटाने हेतु जायसवाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के कम्पाउंड में लगे सीसीटीवी टीवी कमरों को भी तोड़ दिया और डीवीआर निकाल कर अपने साथ उठाकर ले गये हैं, ऐसा आरोप भी बंश बहादुर जायसवाल एवं उनके बेटे मुकेश जायसवाल ने मनसे नेताओ पर लगाते हुए पुलिस और राज्य सरकार से न्याय की गुहार लगाई है। चारकोप पुलिस ने इस मामले में सिर्फ NC दर्ज किया है, जबकि शिकायतकर्ता बंश बहादुर जायसवाल की मांग है कि सभी दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाये। इस संबंध में डीसीपी जोन 11 संदीप जाधव, एसीपी चारकोप रीजन के पास लिखित शिकायत भी इस मामले में की गई है।

आस्था का सैलाब, भक्ति का विराट उत्सव, 10 लाख श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

वाराणसी. सनातन आस्था की नगरी काशी में महाशिवरात्रि पर्व इस वर्ष भक्ति, विश्वास और जनआस्था के अभूतपूर्व संगम का साक्षी बना। काशी एक बार फिर शिवभक्ति के महासागर में डूबती दिखाई दी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमड़ा, जिसने भक्ति, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर दिया। धाम परिसर से लेकर काशी की गलियों तक हर ओर ह्लहर-हर महादेवह्व का जयघोष गूंजता रहा, और काशी की गलियों से लेकर धाम परिसर तक श्रद्धा की अलौकिक छटा बिखरी रही।

मंदिर प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस आध्यात्मिक उत्सव की विराटता को संख्याओं में भी दर्ज कर दिया। मंदिर प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 15 फरवरी की प्रातः मंगला आरती के उपरांत से लेकर 16 फरवरी की सायं 05:00 बजे तक कुल 8 लाख 78 हजार 616 श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। सायं 08:00 बजे तक यह आंकड़ा 9 लाख 2 हजार 647 था, जो मात्र एक घंटे में लगभग 9 हजार से अधिक. जो रात 11 बजे तक कपाट बंद होने तक 10 लाख पार कर गया. श्रद्धालुओं की वृद्धि के साथ नए स्तर पर पहुंच गया। यह अवधि लगभग 30 घंटे से अधिक समय की रही, जिसमें लगातार श्रद्धालुओं का आगमन बना रहा। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से आए भक्त भी बाबा के दरबार में शीश नवाने पहुंचे। यह संख्या न केवल श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का प्रमाण है, बल्कि शिवरात्रि पर्व की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गरिमा को भी दशार्ती है।निरंतर दर्शन व्यवस्था के अंतर्गत 16 फरवरी की रात्रि 12:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक कुल 2 लाख 74 हजार 865 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। वहीं रात्रि 08:00 बजे तक यह संख्या 2 लाख 65 हजार 38 थी। इससे स्पष्ट है कि देर शाम तक श्रद्धालुओं का प्रवाह लगातार बना रहा और दर्शन की गति कम नहीं हुई। यह आंकड़ा दशार्ता है कि शिवरात्रि के चरम समय में श्रद्धालुओं का प्रवाह कितनी तीव्र गति से बढ़ा। रातभर श्रद्धालु कतारों में खड़े रहे और सुबह होते-होते धाम परिसर भक्तों से पूरी तरह भर गया। धाम परिसर में श्रद्धालुओं की कतारें कई किलोमीटर तक फैली रहीं, लेकिन व्यवस्था इतनी सुव्यवस्थित रही कि भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई। शिवभक्तों के चेहरों पर बाबा के दर्शन की प्रतीक्षा का उल्लास और दर्शन के बाद संतोष की दिव्य चमक साफ दिखाई दी। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने बहुस्तरीय प्रबंधन लागू किया। दर्शन पंक्तियों को व्यवस्थित रखने, चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा श्रद्धालुओं को सुगम मार्गदर्शन देने के लिए स्वयंसेवकों की विशेष तैनाती की गई। प्रशासन की सतर्कता और सेवाभाव के कारण लाखों श्रद्धालु निर्बाध रूप से दर्शन कर सके। शिवरात्रि पर बाबा दरबार केवल पूजा-अर्चना का केंद्र नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और सनातन परंपरा के विराट उत्सव का सजीव प्रतीक बन गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं के साथ विदेशी भक्तों की उपस्थिति ने भी इस आध्यात्मिक आयोजन को वैश्विक स्वरूप प्रदान किया।

कलर पेंसिल ने भारत का पहला बच्चों का एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्टोर लॉन्च किया

दिल्ली। भारत की एकीकृत प्रारंभिक शिक्षा एवं बच्चों की कंटेंट कंपनी, ने आज भारत के पहले बच्चों के एक्सपीरिएंशियल लर्निंग स्टोर के शुभारंभ की घोषणा की। यह फ्लैगशिप स्टोर SKYHUB में, जीएसटी रोड, किलंबक्कम, Chennai में स्थित है। इस स्टोर का औपचारिक उद्घाटन 15 फरवरी को प्रसिद्ध अभिनेत्री Vani Bhojan द्वारा विशिष्ट अतिथियों और साझेदारों की उपस्थिति में किया गया। पहली बार बच्चों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए इस एक्सपीरिएंशियल स्टोर में क्यूरेटेड लर्निंग जोन, इंटरैक्टिव प्ले और इमर्सिव डिस्कवरी अनुभवों को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। यह स्टोर खेल-खेल में सीखने की एक अनूठी मंज़िल है, जहाँ बच्चे और परिवार मिलकर सीखने के नए तरीकों का अनुभव कर सकते हैं। यह लॉन्च Color Pencil की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और साथ ही ब्रांड की नई पहचान के अनावरण का भी प्रतीक है, जो इसके भविष्य-केंद्रित दृष्टिकोण को दशार्ता है। चेन्नई में शुरू हुआ यह स्टोर अगले दो वर्षों में देश के प्रमुख शहरों में प्रस्तावित छह एक्सपीरिएंशियल स्टोर्स में पहला है। यह पहल पारंपरिक कक्षाओं और स्क्रीन-आधारित शिक्षा से आगे बढ़कर बच्चों के सीखने के अनुभव को नया रूप देने की Color Pencil की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। Color Pencil के संस्थापक पी. नारायणन ने कहाः शुरूआत से ही Color Pencil का उद्देश्य रहा है -सीखने को सरल, आनंददायक और वास्तव में प्रभावी बनाना। हमारा एक्सपीरिएंशियल स्टोर इसी दर्शन का भौतिक रूप है। यह बच्चों को करके सीखने, खोजने और समझने का अवसर देता है, वह भी एक ऐसे वातावरण में जो खासतौर पर उनके लिए बनाया गया है। चेन्नई से शुरू हुई यह यात्रा अगले दो वर्षों में कई भारतीय शहरों तक पहुँचेगी। Color Pencil की सीईओ मीना छाबरिया ने कहाः यह स्टोर Color Pencil के लिए केवल रिटेल विस्तार नहीं, बल्कि यह इस बात की नई शुरूआत है कि प्रारंभिक शिक्षा को कैसे अनुभव किया जाए।

स्नेहादूबे ने बैठक में वसई मंडल में चल रहे विभिन्न बिजली परियोजनाओं और आगामी कार्यों की विस्तृत समीक्षा

वसई। स्नेहा दुबे पंडित की मौजूदगी में वसई वेस्ट स्थित विधायक पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस में महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुपरिटेंडेंट इंजीनियर संजय खंडारे सहित सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वसई मंडल में चल रहे विभिन्न बिजली परियोजनाओं और आगामी कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से बंच कंडक्टर के चल रहे कार्यों की प्रगति, उनके तकनीकी पहलुओं तथा प्रस्तावित नई योजनाओं पर गहन चर्चा की गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि वसई के तटीय क्षेत्रों में ओवरहेड बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड करने के कार्य के लिए वर्क ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं। यह महत्वपूर्ण परियोजना तूफान, मानसून और अन्य आपात स्थितियों के दौरान बिजली आपूर्ति में होने वाली बाधाओं को कम करेगी तथा नागरिकों को सुरक्षित और निर्बाध बिजली सेवा उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। इसके अलावा सतपाला में प्रस्तावित पावर सबस्टेशन के लिए चिन्हित भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया जारी है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने की संभावना है। यह नया सबस्टेशन क्षेत्र में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने और लोड शेडिंग की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही यह भी बताया गया कि बिजली बिल शिकायत निवारण केंद्र को सनसिटी में स्थानांतरित किया जा रहा है। हालांकि वर्तमान प्रणाली को बरकरार रखा जाएगा और तीन अधिकारी वहां स्थायी रूप से कार्यरत रहेंगे। सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर संजय खंडारे ने आश्वासन दिया कि नागरिकों को बिजली बिलों से संबंधित किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। बैठक के अंत में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी परियोजनाओं को तेजी लाई जाए, ताकि वसई के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

मुंगरा बादशाहपुर में 2 घंटे जमकर चला जज सिंह अन्ना का रेल -आंदोलन रेल

जौनपुर। जनपद जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर में स्टेशन प्लेटफार्म के पूर्वी छोर पर पकड़ी सब्जी मंडी रोड पर रेल अंडरपास की मांग का जज सिंह अन्ना ने रेल रोको आंदोलन और विशाल धरना प्रदर्शन किया। जिसमें पकड़ी गांव में 300 प्लस जनता ने भाग लिया जीआरपी आरपीएफ के आईपीएस सहित भारी संख्या में फोर्स ने अन्ना के रेल आंदोलन को असफल करने के लिए ट्रैक पर खड़ी रही और तहसीलदार मछली शहर और प्रतापगढ़ रेल सेक्शन के इंजीनियर ने आकर के ज्ञापन लिया और कहा 4 महीने के अंदर अन्डर पास काम शुरू करवा दूंगा नीलांचल अर्चना एक्सप्रेस की मांग का प्रस्ताव ऊपरी अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। मंन्थरपुर रेल अंडरपास की मांग को लेकर 200 प्लस जनता ने भाग लिया भारी संख्या में फोर्स जनता को नियंत्रित करती रही जैसे ही 11:25 पर जज सिंह अन्ना पहुंचे वहां पर तहसीलदार और रेल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा मंन्थरपुर अन्डर पास भी 4 महीने बाद बनवाने का आश्वासन मिला। यह अन्ना का रेल आंदोलन सफल रहा।

दुखहरण नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के उतरौला स्थित आर्य नगर मोहल्ले में अवस्थित प्राचीन दुखहरण नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही मंदिर परिसर में लंबी कतारें लग गईं और श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का दूध, दही, जल, बेलपत्र व धतूरा आदि से विधिवत अभिषेक किया।

मंदिर का शिवलिंग विशेष रूप से आकर्षण का केंद्र रहा। मान्यता है कि हजारों वर्ष पुराना यह शिवलिंग मुगल काल से अपनी पौराणिक महत्ता संजोए हुए है। शिवलिंग उत्तर दिशा की ओर हल्का झुका हुआ है, जो इसे और भी विशिष्ट बनाता है। बताया जाता है कि एक टीले की खुदाई के दौरान मिट्टी में दबा यह भूरे रंग का शिवलिंग प्राप्त हुआ था, जिसके शीर्ष पर आरे से काटे जाने के निशान आज भी मौजूद हैं। मंदिर के संरक्षक महंत पुरुषोत्तम गिरि के अनुसार, घुमक्कड़ संत जय करन गिरि को स्वप्न में इस टीले की खुदाई का आदेश मिला था। खुदाई करने पर शिवलिंग प्रकट हुआ और बाद में उसकी स्थापना की गई। लोककथाओं के अनुसार, तत्कालीन मुगल शासक नवाज खां ने स्थापना में बाधा उत्पन्न की और शिवलिंग को काटने का आदेश दिया, किंतु आरा चलते ही शिवलिंग से रक्त प्रवाहित होने की घटना से लोग भयभीत हो गए। इसके बाद अपनी भूल का एहसास होने पर शिवलिंग की विधिवत स्थापना वहीं की गई। मंदिर परिसर के उत्तर, दक्षिण और पूर्व दिशा में 12 अन्य शिवलिंग भी स्थापित हैं। प्रत्येक सोमवार के अतिरिक्त महाशिवरात्रि, हरितालिका तीज और श्रावण मास में यहां विशेष जलाभिषेक होता है। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु सहज रूप से पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। मंदिर परिसर के आसपास फूल, बेलपत्र, धतूरा और पूजन सामग्री की दुकानें सजी रहीं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महाराष्ट्र में जल जीवन मिशन के तहत लंबित फंड तत्काल जारी करने की मांग

पालघर। पालघर लोकसभा सीट से सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात कर महाराष्ट्र में जल जीवन मिशन के तहत लंबित (पेंडिंग) फंड तुरंत जारी करने की मांग की है। अपने बयान में सांसद डॉ. सावरा ने कहा कि फंड वितरण में देरी के कारण राज्यभर में स्वीकृत कार्यों की प्रगति पर गंभीर असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं या अंतिम चरण में हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार की ओर से समय पर राशि जारी न होने से ठेकेदारों के भुगतान अटके हुए हैं।

कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन के अनुसार, भुगतान में देरी के कारण ठेकेदार वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं, जिससे कई प्रोजेक्ट्स की रफ्तार धीमी हो गई है। इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही पेयजल योजनाओं पर पड़ रहा है। सांसद ने कहा कि जल जीवन मिशन एक समयबद्ध और अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण घरों तक पाइपलाइन के जरिए स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। ऐसे में समय पर फंडिंग सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है, ताकि कार्य बिना बाधा के पूरे किए जा सकें। डॉ. सावरा ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि लंबित राशि जल्द से जल्द जारी करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएं, जिससे चल रहे और पूर्ण हो चुके कार्यों का भुगतान समय पर हो सके और योजना की गति बनी

महाशिवरात्रि पर्व की मंगलमय झलक, शिवालय में शिव भक्तों की धूम

मुंबई। पूरे देश में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रातः 4 व 5 बजे से ही विभिन्न शिवालयों में देवाधिदेव महादेव के चरणों में जलाभिषेक एवं अर्चन-पूजन हेतु श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धा, आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला ।

इसी क्रम में विक्रोली पार्कसाइट स्थित श्री सिद्धेश्वर शंकर जी मंदिर, हनुमान नगर विक्रोली पार्कसाइट के श्री वीर हनुमान मंदिर, तथा घाटकोपर गांवदेवी स्थित श्री शंकर सेवा मंडल में प्रातःकाल से ही शिवभक्त जलाभिषेक के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर भोलेनाथ का अभिषेक किए। पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से गुंजायमान हो उठा है। भक्तजन व्रत, रुद्राभिषेक, बेलपत्र अर्पण और मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव की आराधना कर अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की श्री सिद्धेश्वर शंकर जी मंदिर पुजारी पंडित ओमप्रकाश पांडेय और सेवाधारी महेंद्र गिरी के संयोजन जलाभिषेक हुआ। और श्री वीर हनुमान मंदिर पर जलाभिषेक के बाद रात में पंडित हर्षचरित्र पांडेय के द्वारा विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सार्वजनिक महारुद्राभिषेक हुआ। श्री वीर हनुमान मंदिर के महंत मास्टर बाबा के संयोजन में सेवाधारी विमलेश मिश्र, अरविंद शुक्ल, अजय पांडेय, निलेश तिवारी गोपाल, बने ताई, भोलानाथ मिश्रा, वीरेंद्र विश्वकर्मा, दिनेश सिंह, आदेश मिश्र, संजय पांडेय, प्रीतम यादव, कृष्ण कुमार दुबे, शिवप्रकाश सिंह, रवींद्र यादव, बच्चन गुप्ता, प्रीतेश सिंह, रवि सिंह सहित कई अन्य सेवाधारी शिवभक्त सुबह से लेकर शाम तक सेवा में लगे रहे।

24वें कैविनकेयर एबिलिटी अवॉर्ड्स 2026 में दिव्यांग क्षेत्र के पांच अग्रणी भारतीयों को सम्मान

मुंबई। बाधाओं को पार कर बदलाव की प्रेरक कहानियों का जश्न मनाते हुए कैविनकेयर ने एबिलिटी फाउंडेशन के साथ साझेदारी में 24वें कैविनकेयर एबिलिटी अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया। देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करने वाले दिव्यांग समुदाय के पाँच असाधारण व्यक्तियों को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक समारोह ने उन प्रेरणादायी व्यक्तित्वों को केंद्र में रखा, जिन्होंने अपनी यात्रा के माध्यम से समाज की सोच को बदला और सार्थक परिवर्तन की दिशा में नई मिसालें कायम कीं। कार्यक्रम में विश्व कप विजेता दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम की कप्तान दीपिका टी.सी. तथा केरल की पहली दृष्टिबाधित जज बनने जा रहीं थान्या नाथन सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने भाग लेकर सम्मानितों को बधाई दी और समाज के हर क्षेत्र में समावेशन के महत्व को रेखांकित किया।

संगीतमय संध्या में 2023 के सा रे गा मा पा विजेता पुरुषोत्तमन और प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका अभिनया शेनबगराज ने अपनी टीम के साथ मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान सांकेतिक भाषा की व्याख्या ने कला के क्षेत्र में पूर्ण समावेशन के संदेश को और सशक्त बनाया। साल 2003 में स्थापित कैविनकेयर एबिलिटी अवॉर्ड्स ने अब तक देशभर के 100 से अधिक दिव्यांग व्यक्तियों को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए सम्मानित किया है। पुरस्कार दो प्रमुख श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं। कैविनकेयर एबिलिटी अवॉर्ड फॉर एमिनेंस, जो ऐसे दिव्यांग व्यक्ति को दिया जाता है जिन्होंने एक संगठन की स्थापना कर स्थायी और परिवर्तनकारी सामाजिक प्रभाव उत्पन्न किया हो। कैविनकेयर एबिलिटी मास्टरी अवॉर्ड्स, जो अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता, नेतृत्व और विशिष्ट उपलब्धियाँ प्रदर्शित करने वाले दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष के सम्मानित शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, विधि, प्रौद्योगिकी, कला और नागरिक सहभागिता जैसे विविध क्षेत्रों से आते हैं। इन्होंने सामाजिक धारणाओं को चुनौती देते हुए परिवर्तन के प्रभावशाली वाहक के रूप में पहचान बनाई है। इस वर्ष के विजेताओं का चयन प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा किया गया, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल अरुण अनंतनारायण (सेवानिवृत्त), डॉ. विनोद सुराना, डॉ. मारियाजीना जॉनसन, गीतकार एवं पटकथा लेखक मधन कार्की तथा लक्ष्मीनारायणन दुरईस्वामी शामिल थे। इस अवसर पर कैविनकेयर प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सी.के. रंगनाथन ने कहा, ह्लदिव्यांगजन जिस तरह सीमाओं से ऊपर उठकर उत्कृष्टता की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। इन सम्मानित व्यक्तियों की यात्राएँ केवल व्यक्तिगत उपलब्धियाँ नहीं हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव की मजबूत लहर पैदा करती हैं और समावेशन पर सार्थक संवाद को सशक्त बनाती हैं। कैविनकेयर एबिलिटी अवॉर्ड्स साहस, संकल्प और असाधारण प्रतिभा का उत्सव है।

डॉ. संजय शुक्ला के जन्मदिवस सम्मानपूर्वक संपन्न

मुंबई। भांडुप दत्त मंदिर विलेज गांव रोड में समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ. संजय शुक्ला जन्मदिवस समारोह उनके दत्त मंदिर विलेज गांव रोड स्थित क्लिनिक में सादगी और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों एवं चिकित्सकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान केक काटा गया तथा डॉ. संजय शुक्ला को शाल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दी गईं। इस समारोह में प्रमुख रूप से समाजसेवी डॉ. अनिल चाडक, डॉ. प्रांजली जुवेकर, डॉ. सी. वी. पाटिल, डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन), डॉ गणेश जायसवाल, डॉ. राम शिंदे, डॉ. योगेश नावडकर, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. अशोक नरोड़ा, डॉ प्रिया सिंह, डॉ जंगबहादुर, डॉ अनिल यादव, डॉ भरत मानिक एवं डॉ. रमेश गुप्ता उपस्थित रहे। उपस्थित वक्ताओं ने डॉ. संजय शुक्ला के सामाजिक एवं चिकित्सा क्षेत्र में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

एल.एन. इंग्लिश हाई स्कूल, भांडुप का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

मुंबई। एल. एन. इंग्लिश हाईस्कूल भांडुप का वार्षिकोत्सव महाकवि कालिदास हॉल, मुलुंड प. पर प्रिंसिपल अध्यक्ष अखिलेश सिंह के मार्गदर्शन में समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रमुख अतिथि के रूप में श्रीमती विद्या यादव (प्रशासकीय अधिकारी), श्रीमती चारुशिला मैडम, अजय पटेल, संजय शर्मा, डॉ सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन) , डॉ अनीता ,डॉ दीपक सिंह, टिटवाला स्कूल के सभी स्टॉफ एवं भांडुप शाखा के सभी स्टॉफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर जूनियर केजी से लेकर 10वीं तक के विद्यार्थीयों ने नृत्य गीत, नाटक के माध्यम से अपनी कलाओं का सुंदर प्रदर्शन किया। अतिथियों का सत्कार शाल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी छात्रों एवं पेरेंट्स टीचर असोसिएशन के सदस्यो का मंच पर सत्कार किया गया। समारोह को सफल बनाने में टीचर्स स्टॉफ का बहुमूल्य योगदान प्राप्त हुआ।

सप्ताह भर बाद कबाड़ में दबा मिला वृद्ध का शव

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र स्थित सोनरा गांव में बीते नौ फरवरी को मड़हे में लगी आग के बाद लापता कबाड़ व्यवसाई का शव सोमवार को उसके ही कबाड़खाने में मलबे में दबा मिला। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की छानबीन शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार उक्त गांव निवासी रामसुभग बरनवाल (68) क्षेत्र में कबाड़ का कारोबार करते थे। निर्धन परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य रामसुभग पत्नी के निधन के बाद अपनी जमीन पर बने मड़हे में रहते थे। उनके दो बेटे प्रदीप व संदीप डीह असरफाबाद बाजार में दुकानों पर मजूदूरी कर जीविका चलाते हैं। 9 फरवरी की रात उनके मड़हे में आग लग गई। ग्रामीणों ने आग बुझाई लेकिन राम सुभग उसी रात से लापता हो गये। बेटों ने पिता के कहीं चले जाने की आशंका से बहुत खोजबीन नहीं किया। सप्ताह भर बाद मड़हे के पास कबाड़ व पुआल के ढेर से दुर्गंध आने पर ग्रामीण जमा हो गए। वहां मलबे में पैर दिखाई दिया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मलबे में दबकर मौत की घटना प्रतीत हो रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्यवाही होगी।

सड़क हादसे में घायल 14 वर्षीय किशोर की हुई मौत

-दिनेश विश्वकर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रविवार बरसठी थाना क्षेत्र के कस्बा तिराहे के पास सड़क हादसे में घायल किशोर की उपचार के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस से लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है बरसठी थाना क्षेत्र के मगरामऊ गांव निवासी पप्पू सदानंद गौतम का 14 वर्षीय पुत्र अरविंद गौतम उर्फ काली अपने चचेरे भाई किशन के साथ बाइक से कहीं जा रहा था इसी दौरान कस्बे के तिराहे के पास ई रिक्शा बैटरी से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया हालत किशन को मामूली चोटे आई परिजन उसे भदोही के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार करवा रहे थे। सोमवार सुबह हालत में सुधार न होता देख चिकित्सक ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे वाराणसी ले जा रहे थे वाराणसी पहुंचने के पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने ई-रिक्शा समेत चालक को हिरासत में ले लिया और आगे की कार्यवाही करने में जुट गई है।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने भारत की डेटा सेंटर महत्वाकांक्षाओं को दी रफ्तार, स्केल्ड-अप और ग्रीन-रेडी समाधान पेश

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप भारत के तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत कर रहा है। पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, बसडक्ट सॉल्यूशंस और ग्रीन कंसल्टेंसी सर्विसेज के क्षेत्र में एकीकृत समाधान पेश करते हुए समूह इस ऊर्जा-गहन सेक्टर की जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन विशेष समाधानों के साथ, समूह का एनर्जी सॉल्यूशंस व्यवसाय अगले तीन वर्षों में कुल राजस्व का 10 से 15 प्रतिशत हिस्सा डेटा सेंटर से हासिल करने का लक्ष्य रख रहा है। यह लक्ष्य भारत सरकार की उस नीति दिशा के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनाने पर जोर दिया गया है, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में भी रेखांकित किया गया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए गोदरेज एनर्जी सॉल्यूशंस के बिजनेस हेड राघवेंद्र मिर्जी ने कहा, ह्लभारत का डेटा सेंटर क्षेत्र तेज विकास के चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसे मजबूत नीतिगत समर्थन और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बढ़ती मांग का सहारा मिला है। हालांकि, ये सुविधाएं आज बनाए जा रहे सबसे अधिक ऊर्जा खपत करने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में शामिल हैं। इससे हमारे पावर इंफ्रास्ट्रक्चर व्यवसाय के लिए अत्याधुनिक और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने वाली परियोजनाएं विकसित करने का बड़ा अवसर पैदा होता है। हम अपने मॉड्यूलर बसडक्ट सिस्टम को ग्रीन बिल्डिंग विशेषज्ञता के साथ जोड़कर हाइपरस्केलर और एंटरप्राइज कंपनियों को भारत में तेजी से विस्तार करने में मदद कर सकते हैं, साथ ही ऊर्जा खपत, लागत और कार्बन उत्सर्जन को कम कर सकते हैं। बड़े पैमाने की परियोजनाओं को इलेक्ट्रिकल समाधान प्रदान करने के अनुभव और ग्रीन कंसल्टिंग विशेषज्ञता के साथ, हम इस बदलाव को समर्थन देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। जैसे-जैसे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, डेटा सेंटर देश के सबसे अधिक ऊर्जा-गहन इंफ्रास्ट्रक्चर एसेट्स में शामिल होते जा रहे हैं। सरकार ने डेटा सेंटर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दीर्घकालिक टैक्स हॉलिडे और नीतिगत समर्थन भी घोषित किया है, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था में इनकी रणनीतिक अहमियत स्पष्ट होती है। इससे उन एकीकृत समाधान प्रदाताओं के लिए अवसर बढ़ने की उम्मीद है, जो ऊर्जा-कुशल सिस्टम उपलब्ध करा सकें और बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण में सहयोग कर सकें।